हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

जान्हवी कपूर की उलझ की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा!

WWW.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 16 अप्रैल 2024, वर्ष - 07, अंक- 58, पृष्ठ- 8, मूल्य- 3.00 | naisochexpreess@gamil.com

जनता के पैसों की खुलेआम हो रही लूट

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी पलक्कड़ पहुंचे जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया है। यहां उन्होंने कहा, कि केरल में जनता के पैसों की खुलेआम लूट हो रही है। पीएम मोदी ने केरल के पलक्कड़ में अयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केरल में जनता के पैसों की खुलेआम लूट हो रही है। ये लोग लूटने के लिए भ्रष्टाचार के नए-नए मॉडल लेकर आते हैं। उन्होंने सीपीएम को निशाने पर लिया और कहा कि जिस बैंक में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी मेहनत के सैकड़ों-करोड़ों रुपये जमा किए, उस बैंक को सीपीएम के लोगों ने लूटकर कंगाल कर दिया। इन लोगों ने तो गरीब की बेटी की शादी को भी संकट में डाल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यहां सीपीएम के मुख्यमंत्री तीन साल से लगातार झूठ बोल रहे हैं कि इस कॉपरेटिव स्कैम पीड़ितों को उनका पैसा वापस मिल जाएगा। वो तो यह भी झूठ बोल रहे हैं कि दोषियों पर कार्रवाई होगी। पीएम मोदी ने खुद का जिक्र करते हुए कहा कि आपका सेवक ये मोदी है जिसने इस मामले की जांच करवाई। अब तक स्कैम करने वालों की करीब 90 करोड़ की संपत्ति भारत सरकार के

पीएम मोदी ने विपक्ष को लिया निशाने पर

ईडी ने अटैच कर ली है। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले में कानूनी सलाह ले रहा हूं कि जिनके पैसे डूब गए हैं, ऐसे गरीबों को कैसे उनका पैसा वापस करूं? उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार पहले भी देश में 17 हजार करोड़ रुपये ऐसे स्कैम पीड़ितों को वापस दिलवा चुकी है। उन्होंने केरलवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं कॉपरेटिव स्कैम के पीड़ितों को यह भरोसा दिलाता हूं कि उनका पैसा वापस दिलाने में भाजपा और मेरी सरकार कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। पलक्कड़ में जनसभा को संबोधित कर रहे पीएम मोदी ने कहा, केरल के लोगों ने बीते 10 सालों में देख लिया कि कैसे एनडीए सरकार दुनिया भर में भारत की साख बढ़ाई है। कांग्रेस सरकार ने तो भारत की छवि कमजोर देश की बना दी थी। अब भाजपा सरकार ने भारत को मजबूत देश बनाया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि आज जब कोई भारतीय विदेश जाता है तो उसे सम्मान से देखा जाता है। आज का भारत युद्ध में फंसे अपने नागरिकों को बाहर निकालने की ताकत रखता है। आज का भारत कोरोना जैसी महामारी में भी दूसरे देशों की ओर नहीं देखता है। हम स्वदेशी वैक्सीन बना लेते हैं। अपने देश के साथ-साथ दूसरे देशों की भी सहायता करते हैं। उन्होंने कहा कि बीते दस सालों में जो हुआ, आपको लगता है बहुत कुछ हुआ है, लेकिन मोदी क्या कहता है? मोदी कहता है कि यह ट्रेलर है ट्रेलर। पीएम मोदी ने कहा, कि विकसित होते भारत की पहचान आधुनिक संरचना से भी होगी।

पीएम ने विश्व में पढ़ाया भारत का गौरव, किया देश का ऐतिहासिक विकास : योगी

नवादा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवादा में भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में महान देश के रूप में भारत का गौरव बढ़ाया है। देश में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अप्रतिम विकास भी किया ।इस कारण 400 सांसदों के साथ वे तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे । सोमवार को नवादा जिले के अकबरपुर में नवादा लोकसभा के राजग उम्मीदवार विवेक ठाकुर के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 400 सांसदों के साथ तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने ,इसके लिए जरूरी है कि विवेक ठाकुर को नवादा से भारी बहुमत के साथ विजय बनाएं ।उन्होंने कहा कि नवादा सप्त ऋषियों की साधना भूमि ,बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ कृष्णा सिंह की जन्मभूमि ,लोकनायक जयप्रकाश नारायण की कर्मभूमि रही है। जिसके लिए यहां के लोग सच्चाई पर भरोसा कर विकसित भारत का सपना पूरा करने में विवेक

ठाकुर को भारी बहुमत से जिताएंगे । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों में गरीबी दूर करने के लिए व्यापक कार्य किए हैं । देश की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज ,60 करोड़ गरीबों को मुफ्त शौचालय, करोड़ों गरीबों को आयुष्मान योजना के तहत मुफ्ती इलाज की व्यवस्था,40 करोड़ गरीबों को गैस का मुफ्त कनेक्शन देकर एक बड़ा जन कल्याणकारी कार्य किया है।उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भारत का संविधान लागू नहीं होता था ।

उप्र के लोगों ने परिवार वालों को नकार दिया, अब बिहार की बारी : योगी

एजेंसी। पटना/औरंगाबाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिहार के औरंगाबाद पहुंचे। उन्होंने यहां औरंगाबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुशील सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों ने परिवार वालों को नकार दिया, अब बिहार के लोगों की बारी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण को दौरान राजद एवं सपा पर एक साथ हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजद से कोई उम्मीद न कीजिए। यह चुनाव नेशन फर्स्ट और फैमिली फर्स्ट के बीच होने जा रही है। अच्छा हुआ कि एनडीए को बिहार में और सशक्त बनाने में हमें सफलता प्राप्त हुई। बिहार में लालू यादव के परिवार के लिए ही सीट कम पड़ रही थी। यह परिवार तक ही सीमित हो गए।

परिवार के बाहर सोच है ही नहीं। विकास भी परिवार का, सीट भी परिवार को, योजनाओं का लाभ भी परिवार को ही मिलना है। योगी ने कहा कि एक परिवार बिहार और एक परिवार उत्तर प्रदेश में है। उप्र की जनता उन्हें जवाब दे चुकी है, अब बिहार के लोगों को जवाब देने के लिए तैयार होना है। जातिवादी ताकतों को नकार दें। उप्र मुख्यमंत्री योगी ने केन्द्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 50 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट मोदी सरकार में खोल दिए गए हैं। इससे दिल्ली से सरकार कोई पैसा भेजती है तो सीधे अकाउंट में जाए। बीच में कोई दलाल डकैती न डालने पाए। पीएम आवास योजना में चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दिया गया है।

बचा-खुचा नक्सलवाद भी पांच वर्ष में स्वाहा हो जाएगा

उप्र मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 लगाकर कांग्रेस ने शेष भारत के नागरिकों के कश्मीर जाने को प्रतिबंधित कर दिया था। भारतीय जनसंघ और भाजपा हमेशा नारा लगाती थी कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है। उस सपने को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साकार किया है। अनुच्छेद 370 समाप्त कर कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से जोड़ा गया। काफी हद तक नक्सलवाद समाप्त हो गया, जो बचा-खुचा है, पांच वर्ष में उसका भी स्वाहा हो जाएगा।

बिहार में स्थानीय भाषा बोल योगी ने किया अभिवादन

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरंगाबाद में स्थानीय भाषा में लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि सूर्य मंदिर, अंबेश्वरी माता और देवकुंड के पवित्र भूमि के हम नमन करित हईं। आप सबके सादर अभिवादन करित हईं। भगवान भास्कर के किरपा हम सबन पर बनल रहे।

ख़ास ख़बर

दिल्ली शराब घोटाला मामले में के. कविता को बड़ा झटका, कोर्ट ने 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई की हिरासत समाप्त होने के बाद कविता को राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। जज कावेरी बावेजा ने उन्हें सीबीआई के मामले में 23 अप्रैल तक जेल भेज दिया। ईडी के मामले में भी उनकी हिरासत 23 अप्रैल तक है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में कविता ने कहा, यह सीबीआई हिरासत नहीं, बल्कि बीजेपी हिरासत है। वे दो साल से बार-बार पूछ रहे हैं, नया कुछ भी नहीं है। सीबीआई ने 11 अप्रैल को कविता को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। उन्हें अगले दिन कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने गवाहों के बयान, व्हाट्सऐप चैट और एक जमीन से संबंधित वित्तीय लेनदेन दस्तावेजों के आधार पर पांच दिन की हिरासत मांगी थी। उन्हें शराब नीति में आरोपी विजय नायर और अन्य के माध्यम से आप को 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने में एक प्रमुख साजिशकर्ता के रूप में माना गया है। अदालत ने कहा था, जांच एजेंसी रिकॉर्ड से यह दिखाने में सक्षम रही है कि मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए अब तक एकत्र किए गए सबूतों और गवाहों से उनका सामना कराने के लिए हिरासत में पूछताछ आवश्यक है।

चैती छठ पर सूरज को अर्घ्य देने जा रहीं तीन महिलाओं की मौत

रांची। झारखंड के रांची जिले में सोमवार की सुबह सड़क पर बने डिवाइडर से टकराने के बाद एक पिकअप वैन की ट्रैक्टर से टक्कर हो गयी, जिससे उसमें (वैन में) सवार तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रातुचट्टी इलाके में हुआ। रातु पुलिस थाने के निरीक्षक शशिभूषण चौधरी ने बताया कि ये महिलाएं चैती छठ के मौके पर पूजा के लिए एक जलाशय की ओर जा रही थीं। उन्होंने बताया, तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 14 ग्रामीणों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से लगभग 14 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के ताना तोराजा जिले में चार घर भूस्खलन में दब गए। आधी रात से लगातार हुई भारी बारिश ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी पहाड़ी दक्षिण मकाले गांव में एक लापता ग्रामीण की तलाश कर रहे हैं। हालांकि बिजली की कमी, क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण ताना तोराजा के ऊंचे इलाकों में सड़कें अवरुद्ध होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

आम चुनाव में अबतक 4650 करोड़ रुपये की जब्ती

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने आम चुनावों के दौरान देश में अबतक 4650 करोड़ रुपये की जब्ती की है। यह 75 साल के चुनावी इतिहास में अबतक की सबसे बड़ी जब्ती है। आयोग का कहना है कि आगे भी ऐसी ही तेज गति से कार्रवाई जारी रहेगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार अबतक 395.39 करोड़ रुपये नकद, 489.31 करोड़ रुपये की शराब, 2068.85 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 562.10 करोड़ रुपये का सोना, 1142.49 करोड़ • की मुफ्त सामग्री जब्त की है। पिछले आम चुनाव के मुकाबले इस बार ड्रग्स और मुफ्त सामग्री में अधिक जब्ती हुई है। आयोग की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए शुक्रवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले ही प्रवर्तन एजेंसियों ने धनबल के

खिलाफ ईसीआई की दृढ़ लड़ाई में 4650 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड जब्ती की है। पूरे 2019 के चुनावों के दौरान 3475 करोड़ रुपये की जब्ती की गई थी। 45 प्रतिशत जब्ती ड्रग्स और नशीले पदार्थों की है, जिन पर आयोग का विशेष ध्यान है।

सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक' के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी उज्बेकिस्तान रवाना

- दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा
- सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे 18 अप्रैल को देखेंगे सैन्य अभ्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना उज्बेकिस्तान गणराज्य के टर्मेज में होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक' में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को रवाना हो गई। उज्बेकिस्तानी सेना के साथ 28 अप्रैल तक होने वाला अभ्यास का 5वां संस्करण वार्षिक कार्यक्रम है, जो वैकल्पिक रूप से भारत और उज्बेकिस्तान में हर साल किया जाता है। इसका अंतिम संस्करण पिछले

साल फरवरी में पिथौरागढ़ (भारत) में आयोजित किया गया था। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे भी आज ही उज्बेकिस्तान गणराज्य के लिए चार दिनों की यात्रा पर रवाना हुए हैं। कर्नल सुधीर चमोली ने बताया कि संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक' में भारतीय सशस्त्र बल के 60 कर्मी हिस्सा लेंगे। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व जाट रेजिमेंट की एक बटालियन करेगी, जिसमें 45 जवान होंगे। भारतीय टुकड़ी में वायु सेना के भी 15 कर्मी शामिल होंगे। इसी तरह उज्बेकिस्तानी सेना और वायु सेना की टुकड़ी में 100 कर्मी होंगे। उज्बेकिस्तान की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व दक्षिण-पश्चिम सैन्य जिले के हिस्से और दक्षिणी ऑपरेशनल कमांड के कर्मी करेंगे। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का 18 अप्रैल को टर्मेज में संयुक्त अभ्यास 'डस्टलिक' देखने का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि 'डस्टलिक' अभ्यास का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना, पहाड़ी और अर्ध शहरी इलाकों में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिए संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना है। यह उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, संयुक्त सामरिक अभ्यास और विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस सामरिक अभ्यास में संयुक्त कमांड पोस्ट का निर्माण, खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, लैंडिंग साइट की सुरक्षा, विशेष हेलीबोर्न संचालन, घेरा और खोज संचालन और अवैध संरचनाओं के विध्वंस शामिल होंगे। एक्सरसाइज डस्टलिक के इस संस्करण की जटिलता को मल्टी डोमेन ऑपरेशन के संचालन के साथ बढ़ाया गया है।

थोक महंगाई दर मार्च में मामूली बढ़कर 0.53 फीसदी पर, फरवरी में थी 0.20 फीसदी

नई दिल्ली। देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में इजाफे के कारण मार्च में थोक महंगाई दर मामूली बढ़कर 0.53 फीसदी पर पहुंच गई है। इसी साल फरवरी में यह दर 0.20 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर सालाना आधार पर मार्च, 2024 में 0.53 फीसदी रही। इससे पिछले महीने फरवरी में यह 0.20 फीसदी रही थी। दरअसल, डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई दर अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। हालांकि, नवंबर, 2023 में यह 0.26 फीसदी रही थी, जबकि दिसंबर, 2022 में यह 5.02 फीसदी के स्तर पर थी। मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक आलू की महंगाई मार्च, 2023 में 25.59 फीसदी थी, जो मार्च, 2024 में 52.96 फीसदी रही है। इसी तरह प्याज की महंगाई 56.99 फीसदी रही है, जो मार्च, 2023 में शून्य से नीचे 36.83 फीसदी थी। आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में महंगाई 10.26 फीसदी बढ़ गई है।

श्री रामलला का जन्मोत्सव होगा अद्भुत, सोने-चांदी से बने वस्त्र पहनेंगे भगवान, सूर्य देवता भी करेंगे अभिषेक

एजेंसी। अयोध्या

इस बार अयोध्या में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाने की विशेष तैयारी की जा रही है। उनके श्रृंगार से लेकर अभिषेक व पूजा-अर्चना तक को अविष्मरणीय बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सैकड़ों वर्षों के बाद राम की नगरी में ऐसी भव्य व मनमोहक तैयारी की जा रही है। जन्मोत्सव की तैयारियों के बारे में बताते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि इस बार अपने जन्मदिन पर श्री रामलला चांदी और सोने के तारों से बुना विशेष डिजाइनर वस्त्र पहनेंगे। इसे दिल्ली से विमान के जरिए लाया जाएगा। इसी तरह उनके श्रृंगार और मंदिर को सजाने के लिए दिल्ली और कर्नाटक से खास तरह के पुष्प लाए जाएंगे।

इस मौके पर बधाई गीत गाए जाएंगे, वेदों और पुराणों का पाठ होगा, भोग के लिए 56 प्रकार के विशेष पकवान बनाए जाएंगे। यहां तक कि भगवान सूर्य भी अपनी किरणों से भगवान का अभिषेक करते दिखाई देंगे। जन्मोत्सव की तैयारियों के बारे में बताते हुए पूजा अर्चक समिति राम मंदिर के मिथिलेश नंदनी शरण ने कहा कि जन्मदिन के उत्साह में डूबे राम भक्त रामनवमी पर दोपहर 12 बजे गर्भ गृह का पर्दा हटने के बाद जब श्री रामलला का दर्शन करेंगे तो वह क्षण अद्भुत होगा। उस समय सूर्य की किरणें रामलला के ललाट पर पड़ेंगी और खुद सूर्य देवता उनका अभिषेक करेंगे। नंदनी शरण ने भगवान सूर्य से श्री राम के रिश्ते के बारे में बताते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने दोनों के संबंधों का बड़ा मार्मिक वर्णन किया है। गोस्वामी जी ने रामचरित मानस में लिखा है कि जब श्री राम प्रकट हुए, तब भगवान सूर्य ने कहा कि मेरा मान बढ़ गया, मैं जन्मोत्सव देखूंगा। उसके बाद अब ऐसा होने वाला है, जब दोपहर में रामलला की आरती हो रही होगी, उस समय उनके मस्तिष्क पर सूर्य की किरणें पड़ेंगी। यह वैसा ही है, जैसे किसी बालक के जन्मदिन पर उसके अभिभावक व बड़े लोग उसके सिर पर हाथ रखकर उसकी मंगल कामना करते हैं व आशीर्वाद देते हैं।

कांग्रेस-वामपंथियों के पास उपलब्धियों के रूप में गिनाने के लिए कुछ भी नहीं है : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केरल में एक चुनावी रैली में यूडीएफ और एलडीएफ पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वामपंथियों की विश्वसनीयता ऐसी है कि दशकों के शासन के बाद भी उनके पास अपनी उपलब्धियों के रूप में गिनाने के लिए कुछ भी नहीं है। मोदी अपने केरल प्रवास के दौरान अलाथुर के बाद आट्टिंगल में दूसरी चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और वामपंथियों की विश्वसनीयता ऐसी है कि दशकों के शासन के बाद भी उनके पास अपनी उपलब्धियों के रूप में गिनाने के लिए कुछ भी नहीं है। जब वे लोगों के बीच जाते हैं तो झूठ बोलकर केंद्र सरकार की योजनाओं का श्रेय लेने का प्रयास करते हैं। मोदी ने सवाल किया, "आज केरल के कई हिस्सों में जल संकट पैदा हो गया है। लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। इसका श्रेय किसे लेना चाहिए? आज केरल का कॉयर उद्योग बंद होने के कगार पर है। कॉयर उद्योग के श्रमिकों की आजीविका दांव पर है। इसका श्रेय कौन लेगा? उन्होंने भाजपा के हाल में जारी घोषणा पत्र को लेकर कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में घोषणा की है कि हम वैश्विक पर्यटकों को अपनी विरासत से जोड़ेंगे और अपनी विरासत को विश्व विरासत का दर्जा देंगे। केरल में ऐसा होने की बहुत संभावना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की योजना प्रमुख पर्यटन स्थलों का समग्र विकास है। भाजपा केरल में इको-पर्यटन के लिए नए केंद्र भी स्थापित करेगी। इससे हमारे आदिवासी परिवारों को होमस्टे के लिए वित्तीय मदद भी मिलेगी। भाजपा के संकल्प पत्र पर अधिक प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया, "भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में तटीय रेखा संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इस पहल से केरल में मछुआरों को काफी मदद मिलेगी। हमारे प्रयासों का उद्देश्य उनकी आजीविका की रक्षा करना होगा।" उन्होंने कहा कि हम मत्स्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए समर्पित नए क्लस्टर स्थापित करेंगे।

मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा : मौसम विभाग

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने सोमवार को बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग (IMD) 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। IMD ने बताया कि 2024 में 106% यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (LPA) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए। इससे पहले 9 मार्च को प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने सामान्य मानसून का अनुमान जारी किया था। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में 96 से 104% के बीच बारिश हो सकती है। भारत में आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल के रास्ते आता है।

4 महीने की बरसात के बाद यानी सितंबर के अंत में राजस्थान के रास्ते इसकी वापसी होती है। 20 राज्यों में सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमानः केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र , गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, प.बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पुडुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप, दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव। 4 राज्यों में सामान्य बारिश का अनुमानः छत्तीसगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख। 6 राज्यों में सामान्य से कम बारिश का अनुमानः ओडिशा, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

इकोनॉमी के लिए अच्छी बारिश जरूरी : देश में सालभर में होने वाली कुल बारिश का 70% पानी मानसून के दौरान ही बरसता है। देश में 70% से 80% किसान फसलों की सिंचाई के लिए बारिश पर ही निर्भर हैं। यानी मानसून के अच्छे या खराब रहने से पैदावार पर सीधा असर पड़ता है। अगर मानसून खराब हो तो फसल कम पैदा होती है, जिससे महंगाई बढ़ सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी करीब 20% है। वहीं, देश की आधी आबादी को कृषि क्षेत्र ही रोजगार देता है। अच्छी बारिश का मतलब है कि खेती से जुड़ी आबादी को फेस्टिव सीजन से पहले अच्छी आमदनी हो सकती है। इससे उनकी खर्च करने की क्षमता बढ़ती है, जो इकोनॉमी को मजबूती देती है।

काराकाट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार बने अभिनेता पवन सिंह

पटना। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह को बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल से उम्मीदवार बनाने का फैसला लिया था, लेकिन पवन वहां से बीजेपी की टिकट पर चुनाव नहीं लड़कर बिहार के काराकाट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उतरा है। ऐसे में एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए मुश्किल बढ़ गई है। काराकाट से एनडीए खेमे से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके साथ ही यहां निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने भी ताल ठोंक दी है। पवन सिंह के काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मैं किसी व्यक्ति विशेष पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

एक नजर

भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन में जुड़े रहे सिविल डिफेंस के जवान

• 50 से ज्यादा बच्चों ,महिलाओं और बिछड़े बुजुर्गों को परिजनों से मिलवाया

पटना सिटी। चार दिवसीय चैती छठ के अवसर पर पटना सिटी के एक दर्जन से ज्यादा घाटों पर सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा कोर) ने भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और विधि व्यवस्था संधारण के मद्देनजर सेवा और सहयोग का कमान संभाला। लॉ कॉलेज घाट से लेकर गायघाट तक 21 से ज्यादा सिविल डिफेंस के वार्डन पटना जिला प्रशासन द्वारा तैनात किए गए थे। पटना नागरिक सुरक्षा कोर के चीफ वार्डेन विजय कुमार सिंह एलियस श्याम नाथ सिंह अपने वार्डनो के साथ पटना सिटी के प्रसिद्ध गंगा घाट (गाय घाट)पर सेवा सहयोग के लिए 12 अप्रैल से ही मुस्तैद रहकर जिला प्रशासन की ओर से छठ व्रतियों की सेवा और सहयोग में लगातार जुटे थे। पटना के अलावा जहानाबाद , गया,औरंगाबाद के छठव्रती भी इस घाट पर चार दिन से डेरा डाले हुए थे। गायघाट पर पटना जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए अस्थाई कंट्रोल रूम में बने पब्लिक एड्रेस सिस्टम माध्यम के जरिए 50 से ज्यादा बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलवाने का काम किया । चीफ वार्डन श्री श्याम ने गायघाट से लेकर दीदारगंज तक रिवर पेट्रोलिंग के जरिए मोटर बोट से छठ व्रतियों की भीड़ का ज्याजा लिया और भीड़ कंट्रोल करने का काम किया।इस कार्य में वार्डन अखिलेश प्रसाद ,महिला वार्डन रूनम कुमारी डिवीजनल वार्डन सरदार मनोहर सिंह, वार्डन संजय पासवान इत्यादि ने भाग लिया।

जनता के सामने अपनी अकूत बेनामी संपत्ति का हिसाब दें तेजस्वी : प्रभाकर मिश्र

• तेजस्वी को स्वीकार करना होगा कि वे बिहार के सबसे बड़े भ्रष्टाचारी परिवार के सबसे भ्रष्ट उत्तराधिकारी हैं

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने तेजस्वी यादव से सवालिया लहजे में कहा कि तेजस्वी को बिहार की जनता के सामने जवाब देना चाहिए कि क्या सीबीआई ने उन पर एवं सात अन्य लोगों पर क्रिमिनल कॉन्सपेरेसी, चीटिंग एवं क्रिमिनल मिसकंडक्ट का मामला दर्ज नहीं किया है ? श्री मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तेजस्वी से पूछा कि क्या है सही नहीं है कि महज 29 साल की उम्र में 5 मकान, 47 जमीन सहित कुल 52 संपत्ति के मालिक तेजस्वी यादव के खिलाफ बेनामी संपत्ति के आरोप में सीबीआई ने जब प्राथमिकी दर्ज की, ईडी और आईटी ने शिकंजा कसा, तो बचने के लिए बहाना बनाते हैं कि ये सारी संपत्ति तो तब की है जब जब वह नाबालिग थे। क्या यह हकीकत नहीं है कि कुल 52 संपत्तियों में से भ्रष्टाचारजनित 14 सम्पत्तियों के मालिक वे तब बने, जब वे या तो दुधमुँहे बच्चे थे या कक्षा 8-9 में पढ़ाई कर रहे थे। क्या यह सच नहीं है कि 23 संपत्तियों के मालिक वे उस समय बने, जब वे 24 वर्ष की उम्र के थे। क्या आपकी कुल 52 में से 23 संपत्तियों को आयकर विभाग, सीबीआई ने बेनामी घोषित कर औपबंधिक रूप से जब्त नहीं कर लिया था? श्री मिश्र ने कहा कि सच तो यह है कि बिहार के सबसे बड़े मॉल के निर्माण का एग्रीमेंट 5 मई, 2016 को सुरसंड के राजद विधायक अबू की कंपनी साथ जब किया गया, तब तेजस्वी यादव केवल दाढ़ी-मूँछवाले ही नहीं, बल्कि राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री भी थे। तेजस्वी को बिहार की जनता के सामने अपनी अकूत बेनामी संपत्ति का हिसाब दें। नहीं, तो उन्हें स्वीकार करना होगा कि वे बिहार के सबसे बड़े भ्रष्टाचारी परिवार के सबसे भ्रष्ट उत्तराधिकारी हैं।

एससी एवं एसटी एशोसिएशन कार्यालय में बाबा साहब का जन्मदिन धूमधाम से मना

दानापुर। लोको कॉलोनी स्थित आल इंडिया एससी एवं एसटी एशोसिएशन कार्यालय में बाबा साहब का जन्मदिन बहुत धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जोनल सचिव शंभू नाथ जी एवं नव निर्वाचित दानापुर रेलवे के मंडल अध्यक्ष बशिष्ट कुमार एव मंडल सचिव संतोष कुमार चौधरी जी की उपस्थिति में दानापुर शाखा के सचिव दीपक कुमार, शाखा अध्यक्ष अनिल कुमार, शाखा के कोषाध्यक्ष पी मधुकर एवं डब्लु आई एकलव्य ज्योति जी, पूर्व सचिव राकेश कुमार की उपस्थिति में बहुत धुमधाम के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीपक कुमार ने बताया कि बाबा साहब ने जो तीन मूल मंत्र दिये हैं- शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो, उसको अपने जीवन मे उतारें। उन्होंने कहा कि मन में उठने वाले विचारों को जब तक एक सही दिशा नही देंगे तब तक उसका उर्जा और परिणाम जनहित में नही होगा। इस आयोजन में महिलाओं की सहभागिता अच्छी-खासी रही। महिलाओं मे लोको पायलट एवं गार्ड ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी ली। सभा में बिनय कुमार,रमेश कुमार,शत्रुघ्न पासवान,वाई पी सिंह,चन्द्र राजन, संतोष कुमार, जय लाल जी,सोनी कुमारी सहित अन्य बहुत सारे गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मगध आयुक्त ने की जिलेवासियों से 19 अप्रैल को मतदान करने की अपील

गया। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अवसर पर आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया श्री मयंक वरवड़े द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आयुक्त कार्यालय में बीएड के छात्र/छात्राओं को मतदान हेतु शपत दिलाया गया। साथ ही मतदाता जागरूकता से संबंधित रंगोली का अवलोकन किया गया। गया जिले में "चुनाव का पर्व, देश का गर्व" के तहत कार्यालय परिसर में बीएड अध्यरनत विद्यार्थियों के द्वारा तख्ती प्रदर्शन कर नए वोटर सहित सभी मतदाता को जागरूक किया गया। साथ ही वहां बने सेल्फी प्वाइंट पर आयुक्त महोदय के साथ साथ जिला स्वीप आइकॉन अनूप कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी दीपक चंद्र देव, नोडल पदाधिकारी स्वीप सह डीपीओ आईसीडीएस भारती प्रियम्बदा सहित अन्य संबधित पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर लोगों को 19 अप्रैल को मतदान देने हेतु जागरूक किया गया। अंत में आयुक्त महोदय ने पूरे ज़िलावासियों से 19 अप्रैल को वोट करने की अपील की है

सिवान में रंग ला सकती है हिना

नई सोच एक्सप्रेस

सिवान लोकसभा क्षेत्र से राजद ने अंतत विधायक अवध बिहारी चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया है जबकि एनडीए की तरफ से जनता दल यूनाइटेड यहां से चुनाव लड़ रही है जिसने अपने नीव वर्तमान सांसद कविता सिंह का टिकट काटकर पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा की पत्नी यह लक्ष्मी देवी को टिकट दिया है पूर्व दिवंगत सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना साहब निर्दलीय सिवान से चुनाव लड़ रही है उन्हें कई संगठनों का समर्थन प्राप्त है। सिवान की राजनीति पिछले 3 दशकों से पूर्व दिवंगत सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के इर्द गिर्द ही घूमती रही। सिवान में पिछले तीन चुनाव के जो प्रमुख प्रतिद्वंदी रहे इस बार सियासी साजिश के कारण लड़ाई से बाहर जी ओम प्रकाश यादव ने 2009 में निर्दलीय सिवान से चुनाव जीत 2014 में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते 2019 में गठबंधन धर्म के कारण उनका टिकट काट दिया गया सीट बीजेपी से जदयू के पास चली गई कविता सिंह यहां से चुनाव जीतने में सफल हुई इस बार कविता सिंह को भी पार्टी दें टिकट नहीं दिया हालांकि कविता सिंह ने बगावत नहीं की है और पार्टी के उम्मीदवार का यहां समर्थन कर रही है शहाबुद्दीन के निधन के बाद राजद और उनके परिवार के बीच लंबी दरार किस चली गई उसी का परिणाम है कि पिछले तीन चावन से राजद के टिकट पर लेने वाली हिना साहब इस बार निर्दलीय ताल ठोक रही है। जनता दल यूनाइटेड की उम्मीदवार के साथ मोदी लहर का भरोसा है तो दूसरी तरफ आरजेडी के उम्मीदवार अवध बिहारी चौधरी को सामाजिक न्याय वाले वोटरों पर भरोसा है पर सिवान में लड़ाई सब को हिना सब से ही लड़नी है स्वर्ण वोटरों का एक बड़ा समूह हिना साहब के साथ है मुस्लिम वोटर भी साथ है सहानुभूति लहर भी सिवान में इस बार हिना साहब के ही साथ सियासत में ऊंट कब किस किस करवट बैठ जाए कुछ नहीं कहा जा सकता एनडीए के साथ सबसे बड़ी दुविधाओं उम्मीदवार को लेकर जातीय समीकरण के नाम पर एक साथ कई बड़े नेताओं को यहां अपने राजनीतिक कैरियर की बलि देनी पड़ी है कविता सिंह के टिकट काटने की स्थिति में ओम प्रकाश यादव यहां से टिकट के प्रबल दावेदार थे हालांकि टिकट मंगल पांडे और कारनेजीत सिंह भी चाह रहे थे। प्रत्याशी समीकरण में उपेंद्र कुशवाहा के पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को 2 घंटे के अंदर जदयू में शामिल कर कर उनकी पत्नी को उम्मीदवार बना दिया गया। जिसको लेकर खुलकर तो कोई एनडीए का नेट नहीं बोल रहा पर जमीनी हकीकत है कि यहां पर सब कुछ ठीक नहीं है। अवध बिहारी चौधरी के राजद के उम्मीदवार बनने के बाद यादव मतों की गलबंदी उनके पक्ष में होगी। हिना साहब को लेकर चर्चा है वोटरों का रुझान है उसे सिवान का परिणाम सबको चौंका सकता है।

स्वच्छ छवि के उम्मीदवार को ही अपना मत दे- प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना - प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वयंसेवक घर घर जाकर लोगो से मतदान करने का अपील कर रहे है ।फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने मतदाताओं से अपील किया है कि अपना मत स्वच्छ छवि के उम्मीदवार को ही दे । अपराधी छवि एवं भरस्टाचार में लिप्त उम्मीदवार का बहिष्कार करें। आप अपना मत उसे दे जिसे आप जानते एवं पहचानते हो,जो आपके सुख दुख में हाथ बटाता हो , जो सभी जाति और धर्म का सम्मान करता हो, जो अपराध एवं भरस्टाचार में लिप्त न हो, जो कमीशन खोर न हो, जो सरकारी कार्यो को ईमानदारी से कराने की क्षमता रखता हो,जो नशा सेवन नही करता हो, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझता हो । आप अपना मत बिना किसी भय, दवाव,लालच के करे । लोकतंत्र के इस महापर्व में आपका वोट ही आपकी ताकत है । जब हम करेगे शतप्रतिशत मतदान तब बनेगा भारत देश महान । उन्होंने लोगो से आह्वान किया कि वोट से चोट करे । वही राजदीप ने मतदाताओं से आह्वान किया कि शत प्रतिशत मतदान करने के लिए लोगो को जागरूक करें । पहले मतदान करें फिर खान पान करे ।अभियान में शिशुपालकुमार , राजीव कुमार, सोनू कुमार,हीरालाल कुमार, ,सुजीत कुमार,गौरव गुप्ता,रवि प्रकाश, हिमांशु शर्मा, विकाश कुमार,सन्नी कुमार , प्रियंका कुमारी, मोना झा, इंशा उजमा,रीता सिंह,दीपक कुमार,आर्यन राज, रागनी जयशवाल समेत दर्जनों फाउंडेशन के स्वयंसेवक जुटे रहे ।

सम्राट अशोक जयंती समारोह 2024 की तैयारी पर समीक्षा बैठक हुई

नई सोच एक्सप्रेस

• अखिल भारतीय युवा कुशवाहा समाज(भारत) आयोजित करेगी सम्राट अशोक जयंती 2024 सह "सम्राट अशोक रत्न अवार्ड

पटना। महान सम्राट अशोक की 2368 वीं जयंती समारोह सह "सम्राट अशोक रत्न अवार्ड" कार्यक्रम की तैयारी को लेकर रविवार को अखिल भारतीय युवा कुशवाहा समाज (भारत) के पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक गौतम बुद्ध विहार ,दरोगा राय पथ, पटना-1 में आयोजित हुई। बैठक में कार्यक्रम की चर्चा की गई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागमणि कुशवाहा ने कहा की 2009 से लगातार सम्राट अशोक की जयंती समारोह आयोजित कर रहे है।इस अवसर पर बिहार के विभिन्न जिले से आए हुए लोग जो समाज सेवा,शिक्षा, चिकित्सा ,अनुसंधान,कृषि एवं अन्य में विशेष योगदान रखने वाले को " सम्राट अशोक रत्न अवार्ड" से सम्मानित किया जाएगा।आयोजित समारोह में उनकी नीतियों और सिद्धांतों पर बातचीत होगी साथ ही विश्व को उन्होंने जो दर्शन दिया था उस पर चर्चा की जाएगी।हरिओम कुशवाहा ने बताया कि समारोह में प्रदेश भर से बड़ी तादाद में लोग हिस्सा लेंगे।इस मौके पर श्रीनाथ सिंह बौद्ध,डॉ कमल प्रसाद बौद्ध, राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. मुकेश कुमार समेत संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।

बाबा साहेब डा भीम राव अम्बेडकर की जयंती मनाया ह्यूमन राइट्स डिफेंडर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत के संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की जयंती ह्यूमन राइट्स डिफेंडर ने अपने मुख्य कार्यालय ए/2, सेक्टर डी कंकड़बाग कॉलोनी में रविवार को मनाया। उक्त जानकारी संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रश्मि सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करने वालों में ह्यूमन राइट्स डिफेंडर के संस्थापिका सह राष्ट्रीय महासचिव पूजा सिन्हा, उप संस्थापिका सह राष्ट्रीय महासचिव (एस सी/एस टी) आशा देवी, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रश्मि सिन्हा, राष्ट्रीय सहायक सचिव किरण, राष्ट्रीय निगरानी सरिता देवी, राष्ट्रीय सांस्कृतिक सचिव श्वेता बॉबी, राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिन्हा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सूरज कुमार, बिहार राज्य सचिव किशन राज, सक्रिय सदस्य आशुतोष कुमार, पूर्णिमा बसाक, गौरी शंकर प्रसाद सहित अन्य सदस्यगण शामिल थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रश्मि सिन्हा ने बताया कि उक्त अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिन्हा कहा कि हम लोगों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर से यह शिक्षा लेनी चाहिए कि अपने जीवन में जिस चीज के लिए संकल्पित हो वह पूर्ण करने का कोशिश करना चाहिए।संकल्प में कोई विकल्प नहीं होता है। डॉ अंबेडकर के जीवन में भी बहुत कठिनाइयों आई थी, परिस्थितियां भी प्रतिकूल थी, लेकिन उन्होने सभी कठिनाइयो, परिस्थितियों और बाधाओं को काटकर अपने अनुकूल बनाया। इसी तरह हम सभी लोग एक साथ मिलकर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर फैमिली की संकल्पों को पूर्ण करने के लिए संकल्पित हो। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में संस्थापिका सह राष्ट्रीय महासचिव पूजा सिन्हा ने कहा कि बुद्ध, कबीर, नानक, तुलसी, राजा राम मोहन राय, महर्षि दयानन्द और महात्मा गाँधी सभी सामाजिक चेतना और समभाव के पुरोधा थे। इसी की एक कड़ी थे डॉ0 भीम राव अम्बेदकर। उक्त अवसर पर उप संस्थापिका सह राष्ट्रीय महासचिव (एस सी/एस टी) आशा देवी ने कहा कि डॉ० अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश की महु छावनी में हुआ था। उनके पिता उस समय भारतीय सेना में कार्यरत थे। वे अपने बच्चों विशेषकर भीम राव को विद्यार्जन के लिये निरन्तर प्रेरित करते रहते थे। संस्था की राष्ट्रीय सहायक सचिव किरण ने कहा कि डॉ० अम्बेडकर का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था, पर उन्होंने सिद्ध कर दिया था कि प्रतिभा और उच्च मनोबल से जीवन की हर बाधा पार की जा सकती है। राष्ट्रीय निगरानी सरिता देवी ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी बाधा थी हिन्दू समाज की जाति व्यवस्था, जिसके तहत जिस परिवार में वे जन्मे, उसे ''अस्पृश्य'' माना जाता था। राष्ट्रीय सांस्कृतिक सचिव श्वेता बॉबी ने कहा कि 1908 में युवक भीम राव ने बम्बई विश्वविद्यालय से हाई स्कूल की परीक्षा पास की थी, जो एक अस्पृश्य बालक के लिए यह एक अद्भूत एवं विरले उपलब्धि थी।

युवा है देश की असली ताकत, मतदान जरूर करें : नीतू नवगीत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना जिला मतदाता जागरूकता अभियान की आइकॉन डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने मखनियाँ कुआँ इलाके में युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया। नीतू नवगीत ने युवाओं को मतदान संबंधी संकल्प दिलाया। युवाओं ने एक स्वर में कहा कि हम लोकतंत्र का महात्योहार मनायेंगे। वोट देने जरूर जायेंगे। उपस्थित युवाओं ने शपथ लिया कि - ''हम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें।'' युवाओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए नीतू नवगीत ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ा लोकतंत्र है। मतदाता ही लोकतंत्र में भाग्य विधाता होते हैं। आगामी लोक सभा चुनाव सात चरणों में होने वाले हैं। पटना साहिब तथा पाटलिपुत्र निर्वाचन क्षेत्र में मतदान एक जून 2024 को होगा, जिसमें सभी को अवश्य ही भाग लेना है। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने वाले युवा उत्साह के साथ मतदान करें क्योंकि वोटिंग जैसा कुछ नहीं है। वोटिंग अपने आप में महान काम है। हमें अपने देश को मजबूत बनाने के लिए मतदान करना है। हर वोट महत्वपूर्ण होता है। लोकतंत्र में वोट ही ताकत है, वोट ही हिम्मत है। मखनिया कुआं क्षेत्र में आयोजित जागरूकता अभियान में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और एमके मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, विशाल कुमार राहुल कुमार आदि ने भी हिस्सा लिया।

भारतीय मानव अधिकार रक्षक ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। "भारतीय मानव अधिकार रक्षक" ने गरीब बच्चों एवम वृद्ध लोगों के लिए पटना के दीघा स्थित अपने कार्यालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार को लगाया। उक्त जानकारी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि स्थानीय बच्चों, वृद्ध महिलाओं, पुरुषों सहित अन्य लोगों की स्वास्थ्य जांच शिविर में किया गया। उन्हें आवश्यकतानुसार सलाह और दवाइयां भी दी गई। शिविर में स्वास्थ्य जांच और निः शुल्क दवा लेने वालों की संख्या 60 थी। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजक भारतीय मानव अधिकार रक्षक की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रितु कुमारी ने की थी।जिसमे संस्था की संस्थापिका रीता सिन्हा के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, मीडिया प्रभारी जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना जिला महासचिव गीता प्रसाद, पटना जिला युवा सचिव निरंजन कुमार, सक्रिय सदस्य रोमन कुमार, अजीत कुमार उपस्थित अन्य सदस्य उपस्थित थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में पीडियाट्रिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक कुमार (एमबीबीएस, एमएस, एमसीएच) ने अपनी टीम के साथ सक्रीय भूमिका निभाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि भारतीय मानव अधिकार रक्षक संस्था अब आगे भी लगातार पटना सहित बिहार के सभी जिलों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर शिविर का आयोजन करेगा ताकि अधिकाधिक लोग इसका लाभ उठा सके।

मेधावी छात्रों हेतु ज्ञानसरोवर मेधा छात्रवृति 2024 का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मेधावी छात्रों हेतु ज्ञानसरोवर मेधा छात्रवृति 2024 का आयोजन अगर छात्र-छात्राएं अपना कैरियर मेडिकल क्षेत्र में बनाना चाहते हैं तो डॉक्टर के अलावा और भी अवसर है जिसमें वे मेडिकल क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। ज्ञानसरोवर विद्यापीठ, पटना जो स्वास्थ्य विभाग (बिहार सरकार) के द्वारा स्वीकृत है। संस्थान में निम्नलिखित कोर्स संचालित करने की अनुमति मिली हुई है सहायक नर्स मिडवाइफरी (एएनएम), डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट, डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्निशियन, सर्टिफिकेट इन मेडिकल ड्रेसर, बैचलर इन फिजियोथेरेपी, बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बैचलर इन योगा, बैचलर इन हॉस्पिटल मैनेजमेंट, बैचलर इन लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी। ज्ञानसरोवर विद्यापीठ मेधावी छात्रों को पैरामेडिकल डॉक्टर बनने का सुनहरा मौका प्रदान कर रहा है। जिसके तहत ज्ञानसरोवर मेधा छात्रवृति योजना का शुभारंभ दिनांक 17 अप्रैल से किया जा रहा है जिसके तहत छात्र छात्रवृति हेतु निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं। मेधा छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ ज्ञानसरोवर विद्यापीठ, पटना में किया गया है। जिसके तहत आवेदन करने वाले प्रत्येक छात्र को संस्थान में नामांकन लेने पर न्यूनतम 10 हजार की छात्रवृति एवं मेधा के आधार पर 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में बाबा साहेब की जयंती मनाई गयी

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में मंडल रेल प्रबंधक,दानापुर जयंत कुमार चौधरी एवं अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

एक नजर

बी-हब, पटना द्वारा सफल फेस-टू-फेस कार्यक्रम का आयोजन

• कार्यक्रम में बिहार सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में हुए शामिल

पटना। सोमवार को बिहार के प्रमुख नवाचार और उद्यमिता केंद्र बी-हब ने अपने प्रांगण में एक उत्कृष्ट फेस-टू-फेस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार के स्टार्टअप समुदाय को ताकतवर जानकारी और संवाद के साथ आगे बढ़ने के लिए था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता अनिल कुमार, मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार परिमंडल, पटना थे। उन्होंने बिहार के नए निर्यातकों को डाक विभाग के उत्पादों, विशेष रूप से डाक घर निर्यात केंद्र (DNK) के बारे में अपने विचार और विशेषज्ञता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैसे निर्यातक भारतीय डाक के माध्यम से आसानी से उत्पाद का आयात/निर्यात कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बिहार के युवा उद्यमियों के लिए डाक विभाग की सेवाओं का विस्तारपूर्वक परिचय और संवाद है। इस अवसर पर, बी-हब की ओर से बिहार के स्टार्टअप्स को सरकारी संसाधनों का उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, श्री कुमुद कुमार, मुख्य प्रशाशनिक पदाधिकारी,CIMP, BIIF, पटना ने कहा, "हमें गर्व है कि हमने श्री अनिल कुमार जी को बी-हब में स्वागत किया और उन्होंने हमारे कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। उनकी सव्यसाची पर डाक विभाग के संसाधनों का उपयोग करने के लिए हमारे प्रतिभागियों को नई दिशाएँ मिली हैं।" इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री अनिल कुमार का योगदान सराहनीय है, और बी-हब सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करता है।

नये पीडीएस दुकान से खाद्यान वितरण प्रारंभ

राजापाकर , संवाद सूत्र। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर ब्रह्मदास गांव स्थित जन वितरण दुकान के तहत नये पि डि एस दुकान की बिक्रेता आभा कुमारी द्वारा सोमवार को परना के दिन विधिवत पूजा अर्चना कर अनाज के मुफ्त वितरण की शुरुआत की गई। जहां आस पास के दर्जनों लोगो ने अपना अपना सरकार द्वारा मुफ्त मे उपलब्ध कराई जा रही अनाज का अंगूठे का निशान देकर प्राप्त किया। चूंकी नये पी डी एस दुकान का लाइसेंस सरकार द्वारा निर्गत किया गया था और काफी दिनों से लोगो को इन्तजार था कि कब से अनाज का वितरण होगा विक्रेता आभा कुमारी ने बतलाया कि हर माह समय पर सरकार द्वारा क्रियान्वित योजना जनता तक पहुंचे ये ही मेरी प्राथमिकता है। साथ ही मैं प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी की भी बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होने अप्रैल से ही आवन्टन देकर लोगों को सुविधा पहुचाने मे सहयोग किया है। विक्रेता महोदया ने बतलाया कि ये पहला आवन्टन था जिसने कार्ड के अनुरूप अनाज आवन्टन नही हुआ था जिससे काफी कम अनाज मिला है ।अगले महीने से उम्मीद है कि पुरा आवन्टन प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी जिससे आप पास के लोगो को अनाज उठाव मे कोई परेशानी न हो। मौके पर ग्रामीण ओमप्रकाश सिंह हरेन्द्र सिंह प्रसिद्ध सिंह सुरेश सिंह प्रकाश कुमार सुनिल कुमार परमानन्द सिंह वसन्त साह, उपेन्द्र सिंह रामदयाल साह शाहिल अनिकेत नागदेव सिंह लक्ष्मन सिंह राकेश वरुन कुमार लालू योगेन्द्र सिंह दिलीप सिंह विशेश्वर सिंह विक्की शिक्षक अनिल कुमार के अलावा दर्जनो महिलाएं उपस्थित रहे।

पटना : तख्त हरमंदिर साहिब में डॉ. बासू ने किया 500 से अधिक मरीजों के नेत्र का मुफ्त इलाज

पटना। बिहार की राजधानी पटना में तख्त श्री हरमंदिर साहिब में जानेमाने नेत्र विशेषज्ञ प्रो. डॉ. महेंद्र बासू ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से 500 से अधिक मरीजों के नेत्र की निःशुल्क जांच और इलाज करने के साथ ही रोगियों के बीच मुफ्त दवाइयों का भी वितरण किया। आयुर्वेद क्षेत्र की प्रसिद्ध कंपनी जगत फार्मा के संस्थापक और बिना ऑपरेशन के आयुर्वेदिक पद्धित से पिछले 42 साल से मोतियाबिंद का सफल इलाज कर रहे डॉ. बासू के नेत्र चिकित्सा शिवर का आयोजन तख्त श्री हरमंदिर साहिब, पटना सिटी के परिसर में किया गया। इस शिवर में डॉ. बासू ने आंख की अलग-अलग समस्याओं से जूझ रहे 500 से अधिक मरीजों की जांच और उनका निःशुल्क इलाज किया। साथ ही रोगियों को मुफ्त में आवश्यक दवाइयां भी दी गईं। उत्तर प्रदेश रत्न से सम्मानित डॉ. बासू ने बताया कि उनकी चिकित्सा पद्धित की खास बात यह है कि बिना शल्य चिकित्सा के वह नेत्र संबंधी रोग ग्लूकोमा, रेटिनाइटिस, पिग्मेंटोसा, कैटारेक्ट्स, डायबिटिक रेटिनोपैथी एवं अन्य का सफल इलाज करते हैं। उन्होंने बताया कि रेटिना का आजतक पूरी दुनिया में कोई इलाज नहीं है लेकिन उनकी पद्धित से इससे संबंधित रोग का भी इलाज संभव है। डॉ. बासू ने बताया कि वह 'ब्लाइंडनेस फ्री वर्ल्ड' के मूल मंत्र के साथ पिछले 42 वर्षों से लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी की दृष्टि चली गई है तो उनके इलाज से पांच मिनट में दृष्टि वापस आ जाती है और अगले चार से पांच महीने इलाज के बाद रोगी को अंधापन से बचाया जा सकता है।

टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में राम नवमी का आयोजन

पटना। टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल, राजेंद्र नगर रोड 6 में बच्चों ने राम नवमी का आयोजन किया। लड़कियां सीता मां के रूप में सुसज्जित होकर आई एवं लड़के राम, लक्ष्मण और हनुमान बने हुए अत्यंत ही मनोरम दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। बच्चों ने भाई ढोल स्वागत के मेरे घर राम आएं है, राम सिया राम, जय जय राम आदि गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर श्री राम के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। विद्यालय के निदेशक राजीव भार्गव और प्रधानाध्यापिका शिवानी भार्गव ने इन पलों को अविस्मरणीय बताते हुए समाज को राम नवमी की हार्दिक बधाई दी एवं साथ ही बच्चों श्री राम के गुणों से अवगत कराया और उन्हे सच्चाई और अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं जैसे रेवा भार्गव, निक्की, इशिका, रुचि, सुषमा एवम् दीपज्योति सिंह, उदय कर्ण आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा का हुआ समापन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। लोकआस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शांतिपूर्ण तरीके से आज संपन्न हो गया। व्रती वीणा कुमारी जयसवाल अपने आवास के छत पर पूजा किया और भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए व्रती सरकारी वकील वीणा कुमारी जयसवाल प्रातःकाल से ही अपने ही आवास के छत पर बने घाट की ओर डाला के साथ रवाना हो गई और घंटों भगवान सूर्य के उगने का इंतजार जल में खड़े होकर किया। सूर्य की लालिमा देखते ही व्रती वीणा कुमारी जयसवाल एवं श्रद्धालुओं के चेहरे पर प्रसन्नता झलकने लगी। वीणा कुमारी जयसवाल ने पटना के कंकड़बाग स्थित अपने आवास पर उदीयमान भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर उन्हें अर्घ्य देकर परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। वीणा कुमारी जयसवाल के साथ-साथ परिवार के सदस्यों और कई श्रद्धालुओं ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। चैती छठ पर्व के चौथे दिन व्रती वीणा कुमारी जयसवाल द्वारा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के समय डॉ ए.के. जयसवाल, डॉक्टर रीता चौधरी, श्याम हॉस्पिटल के निदेशक अशोक चौधरी, राधेश्याम गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद राजू, रतन कुमार, जनपथ न्यूज़ के संपादक राकेश कुमार, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री उपेंद्र प्रसाद, डॉक्टर राकेश कुमार, पल्लवी रंजन, प्रियंका रंजन, प्रिया रंजन, रजनीश रंजन, सरोज कुमारी, जितेंद्र कुमार सिन्हा, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव रंजन, पूर्व डीजीपी आशीष रंजन सिन्हा , पटना उच्च न्यायालय की अधिवक्ता अनीता सिन्हा, पूनम सिन्हा, मीनू कुमारी,सब इंस्पेक्टर खुशबु कुमारी, वाणी सिंह, अरविंद कुमार सिंह, डॉ प्रीति कुमारी , संगीता पटेल,सब इंस्पेक्टर पूजा कुमारी एवं अन्य लोग उपस्थित थे आज सोमवार को छठव्रती वीणा कुमारी जयसवाल सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद प्रसाद ग्रहण की और प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही उनके 36 घंटे का निर्जला उपवास सम्पन्न हो गया।

ओरिएंटेशन एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इन्वेंटर्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पटना के विद्यापति भवन में "संकल्प-2024' के नाम से एक ओरिएंटेशन एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। बिहार के सुविख्यात पूर्व डी.जी.पी. एवं सुपर 30 के संस्थापक शिक्षाविद श्री अभ्यानन्द इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे। इन्वेंटर्स में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 हेतु इंजीनियरिंग तथा मेडिकल विषयों में नामांकित छात्रों का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य था। आयोजन को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक राजेश रंजन ने छात्रों को इस नए शैक्षणिक वर्ष में संस्थान के तरफ से दी जानेवाली कई सुविधाओं का विस्तार से उल्लेख किया तथा उन्हें सफलता के कई महत्वपूर्ण मन्त्र दिए। राजेश रंजन के अलावा प्रभाकर कुमार तथा कुमार मन्नू ने भी छात्रों को तैयारी के तरीके और संकल्पित होकर अध्ययन करने के लाभ के बारे में विस्तार से बताया।

मतदाता जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर।ब्रजमोहन दास कॉलेज दयालपुर के परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत महाविद्यालय के स्मार्ट कक्ष में महास्वीप दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अजय कुमार जो माइंड एंड मेमोरी के खोजकर्ता है तीन बार गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर है मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की जो छात्राएं 18 वर्ष के ऊपर है वे अपना मतदान चुनाव में कर सकते हैं। अपनी मनपसंद सरकार का चुनाव कर सकते हैं। अपने परिवार को सदस्यों को चुनाव में वोट डालने के लिए जागरूक करेंगे। चुनाव में एक-एक वोट का महत्व होता है। एक-एक वोट से सरकार बनती है एवं गिरती है। छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई कि वह चुनाव में बिना किसी से प्रभावित हुए वह अपना मत का प्रयोग करेंगे। कार्यक्रम को प्रो0 श्याम रंजन प्रसाद सिंह, प्रो0 रवि चंद्रा, प्रो0 जया चौधरी, प्रो0 पूजा कुमारी ,प्रो0 रवि रंजन कुमार आदि ने भी संबोधित किया। छात्राओं को मतदान के लिए प्रेरित किया .वहीं उन्हें बताया गया कि वैसे 18 पार कर चुके छात्राओं के नाम मतदाता सूची में नहीं है। वह ऑनलाइन करके भी अपना वोटर आईडी कार्ड निकाल सकते हैं या वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर भी आवेदन भर कर वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कर सकते हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर होटल मौर्या में किया गया फायर मॉक ड्रिल

नई सोच एक्सप्रेस

पटनाः अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर सोमवार को होटल मौर्या में प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा फायर मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के अद्भुत तरीके प्रस्तुत किए गए। फायर अलार्म द्वारा आग की सूचना मिलते ही मार्शल टीम हरकत में आ गई। अतिथि को इमरजेंसी लैंडर द्वारा रूम से बारी - बारी से सुरक्षित उतारा गया। इसके बाद होटल मौर्या के एडमिनिस्ट्रेटर आर के सिंह द्वारा अतिथि को प्राथमिक उपचार (बी पी जाँच) मुहैया कराया गया और एम्बुलेंस के द्वारा नजदीक के रेनबो अस्पताल भेजा गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित मनोज नट (जिला अग्निशमन पदाधिकारी) एवं अजीत कुमार (सबडिविजनल फायर ऑफिसर) ने अग्नि सुरक्षा पर होटल मौर्या के कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं अन्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजन सिन्हा (निदेशक, जे पी सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट) व प्रो. मधुबाला (विशेषज्ञ, आपदा प्रबंधन) ने भी अग्नि सुरक्षा को लेकर अपने - अपने विचार प्रकट किए। जबकि डॉ. दीपक शरण (एसयुपीडीटी, रेड क्रॉस सोसाइटी) एवं डॉ. करीम ने प्राथमिक उपचार पर अपने विचार को रखा। इस अवसर पर उपस्थित सीताराम प्रसाद (थाना प्रभारी, गांधी मैदान थाना) ने सुरक्षा पर अपने विचार प्रकट किए जबकि होटल मौर्या के प्रबंध निदेशक आदित्य प्रकाश सिन्हा व होटल मौर्या के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बी डी सिंह ने कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर लोगों को इससे अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए एडमिनिस्ट्रेटर आर के सिंह ने कहा कि होटल मौर्या के पास सभी प्रकार के फायर एक्सटीन्गुइसर उपलब्ध है जिसके सहारे हम सभी विषम परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हैं। हमारे पास पब्लिक एड्रेस सिस्टम, एडवांस स्प्रिंकलर सिस्टम, फायर अलार्म, हाइड्रेंट सिस्टम, फोम जेट और फायर स्मोक एक्सट्रैक्टर की पूरी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए सारा साधन यहाँ मौजूद हैं। मॉक ड्रिल में मार्शल टीम के साथ होटल मौर्या के विभिन्न विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर। लोकतंत्र की जननी वैशाली की पावन भूमि के राजाप्रकार प्रखंड के जाफरपट्टी गांव में स्वीप दिवस पर प्रतिनियुक्ति किए गए नोडल अधिकारी सुबोध कुमार के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को संबोधित करते हुए नोडल अधिकारी ने कहा कि जो भी मतदाता हैं वह अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। आपका एक-एक वोट महत्वपूर्ण है ।आपका एक-एक वोट निर्णायक साबित होगा। वैसे मतदाता जो बाहर रहते हैं उन्हें घर बुलायें और अपने मत का प्रयोग करें। वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर अपना वोट डालें। सभी अपनी मनपसंद की सरकार का चुनाव करें। बिना किसी के बहकावे में आएं और अपना मत डालें। इस मौके पर दर्जनों ग्रामीण पुरुष व महिलाएं शामिल हुईं।

पंचरूपी हनुमान मंदिर राजवंशी नगर में भव्य तरीके से मांगी रामनवमी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजवंशी नगर स्थित पंचरूपी हनुमान मंदिर में भव्य तरीके से रामनवमी पाव मनाया जाएगा। इस संबंध में मंदिर प्रांगण में आयोजित प्रेस वार्ता में मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष इंदू भूषण कश्यप ने बताया कि 17 अप्रैल बुधवार के दिन आयोजित होने वाले रामनवमी उत्सव के लिए मंदिर की ओर से विशेष तैयारी की गई है इसके तहत मंदिर की साज सज्जा और पेंटिंग कराई गई है। उन्होंने बताया कि 17 अप्रैल के शुरुआत होने के बाद रात्रि के 12:00 बजे से 3:00 तक रामजी एवं हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी जिसके तहत उन्हें पंचामृत इत्र और गंगाजल से स्नान कराकर नया वस्त्र धारण कराया जाएगा और इसके बाद उनकी विशेष आरती की जाएगी। आरती के उपरांत 3:00 बजे से मंदिर का पट भक्तों के दर्शन व प्रसाद चढ़ाने के लिए खुल जाएगा और भक्त हनुमान जी की पूजा अर्चना कर सकेंगे। उन्होंने बताया की भक्तों की सुविधा को देखते हुए मंदिर में स्त्री व पुरुष के प्रवेश के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है बीपीएससी के तरफ से पुरुष और चिड़िया खाना की तरफ से महिलाओं का प्रवेश होगा। इसके लिए मंदिर से लेकर बीपीएससी और चिड़ियाखाना की तरफ नवीन सिंहा पार्क तक भक्तों को की छाया के लिए टेंट लगाया गया है जिसमें पंखा व भक्तों के लिए नींबू पानी की व्यवस्था भी की गई है। इस मौके पर रामनवमी पूजा समिति के सदस्य प्रेम कुमार और मोहित प्रकाश ने बताया कि दिन के 11:30 बजे से लेकर 12:30 बजे तक मंदिर का पाठ बंद हो जाएगा और भगवान रामजी के जन्म के उपरांत पूजा अर्चना भोग प्रसाद के बाद फिर 12:30 बजे से पूजा अर्चना की जाएगी इस दौरान विशेष आरती की व्यवस्था की गई है जिसमें बाहर से आए पंडितों के द्वारा रामजी एवं महावीर जी की विशेष आरती की जाएगी। इसके बाद भगवान राम जी व हनुमान जी को छप्पन भोग अर्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजन के लिए महावीर मंदिर से 10 क्विंटल नैवेद्यम मंगाया गया है साथ ही स्थानीय दुकानदारों को भी पूजा के लिए लड्डू बनाने कहा गया है। मंदिर के कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश शर्मा एवं उपमुख्य पुजारी संतोष तिवारी ने बताया की विधि व्यवस्था संचालन के लिए पटना के डीएम एसपी और शास्त्री नगर थाना से आग्रह किया गया है इसके अलावा मोहित प्रकाश के द्वारा 20 बाउंसर की भी व्यवस्था की गई है। इस मौके पर मंदिर न्यास के सदस्य भगवान राम, आलोक कुमार, पुजारी अजय झा सहित कई लोग मौजूद थे।

रात्रि के तीन बजे भक्तों के दर्शन के लिए खुल जाएगा मंदिर का पट

नवरात्रि के आठवां दिन मां महागौरी का ध्यान, स्मरण, पूजन-आराधना भक्तों के लिए सार्वधिक कल्याणकारी होता है

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नवरात्रि के नौ दिनों की आराधना क्रम में आठवां दिन मां महागौरी की आराधना-पूजा होती है। नवरात्रि के पहले दिन से सातवें दिन तक देवी दुर्गा के शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी और कालरात्रि की पूजा हो चुका है। अब अंतिम दो दिन मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की दिव्य रूप की पूजा होगी। नवरात्रि के आठवें (अष्टमी) दिन मां दुर्गा का आठवां स्वरूप महागौरी की पूजा आराधना होती है। अष्टमी तिथि को कुंवारी पूजा के नाम से और महा अष्टमी जिसे दुर्गा अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

महागौरी का वर्ण पूर्णतः गौर है। इस गौर की उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से की गई है। इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है- 'अष्टवर्षा भवेद् गौरी।' इनके समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं। मां महागौरी की चार भुजाओं में, ऊपर के दाहिने हाथ में त्रिशूल और नीचे वाले दाहिने हाथ वर-मुद्रा में है, वहीं ऊपर वाले बाएँ हाथ अभय मुद्रा में और नीचे के बाएँ हाथ में डमरू हैं। मां महागौरी का मुद्रा अत्यंत शांत है। मां महागौरी देवताओं की प्रार्थना पर हिमालय की श्रृंखला मे शाकंभरी के नाम से प्रकट हुई थी। नवदुर्गा का सबसे दीप्तिमान और सुंदर रूप है महागौरी। महा शब्द का अर्थ है महान और गौरी शब्द का अर्थ उज्वल या गोरा, इसलिए इनका नाम महागौरी पड़ा। वह दयालु, देखभाल करने वाली और अपने सभी भक्तों की गहरी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती है। यह भी माना जाता है कि मां महागौरी हर तरह के दर्द और पीड़ा से राहत देती हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती है। जो स्त्री मां महागौरी की पूजा भक्ति भाव साहित करती हैं उनके सुहाग की रक्षा देवी स्वंय करती है। अष्टमी तिथि के दिन मां महागौरी को नारियल का भोग लगाना चाहिए फिर नैवेद्य रूप वह नारियल ब्राह्मण को दे देना चाहिए। मां महागौरी ने देवी पार्वती के रूप में भगवान शिव को पति-रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। एक बार भगवान शिव ने माता पार्वती जी को देखकर कुछ कह देते हैं। जिससे देवी का मन आहत होता है और पार्वती जी तपस्या में लीन हो जाती हैं। इस प्रकार वर्षों तक कठोर तपस्या करने पर जब माता पार्वती जी नहीं आती है तो, माता पार्वती जी को खोजते हुए भगवान शिव उनके पास पहुँचते हैं, वहां माता पार्वती जी को देखकर आश्चर्य चकित रह जाते हैं। माता पार्वती जी का रंग अत्यंत ओजपूर्ण होता है, उनकी छटा चांदनी के सामन श्वेत और कुन्द के फूल के समान धवल दिखाई पड़ती है, उनके वस्त्र और आभूषण से प्रसन्न होकर देवी उमा को गौर वर्ण का वरदान देते हैं। वहीं दूसरी कथा अनुसार, भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती जी ने कठोर तपस्या की थी, जिससे माता पार्वती जी का शरीर काला पड़ जाता है। माता पार्वती जी की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव इन्हें स्वीकार करते हैं और भगवान शिव इनके शरीर को गंगा-जल से धोते हैं तब देवी विद्युत के समान अत्यंत कांतिमान गौर वर्ण की हो जाती हैं तथा तभी से इनका नाम गौरी पड़ा। महागौरी रूप में देवी करूणामयी, स्नेहमयी, शांत और मृदुल दिखती हैं। देवी के इस रूप की प्रार्थना करते हुए देव और **ऋषिगण कहते हैं**-"सर्वमंगल मंग्ल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते"।।

माता पार्वती से संबंधित एक अन्य कथा भी प्रचलित है, जिसके अनुसार, एक सिंह काफी भूखा था, वह भोजन की तलाश में वहां पहुंचा जहां देवी उमा तपस्या कर रही होती हैं। देवी को देखकर सिंह की भूख बढ़ गयी परंतु वह देवी के तपस्या से उठने का इंतजार करते हुए वहीं बैठ गया। इस इंतजार में वह काफी कमजोर हो गया। देवी जब तप से उठी तो सिंह की दशा देखकर उन्हें उस पर बहुत दया आती है और माता पार्वती उसे अपना सवारी बना लेती हैं, क्योंकि एक प्रकार से उसने भी माता पार्वती के साथ तपस्या की थी। इसलिए देवी गौरी का वाहन बैल और सिंह दोनों ही हैं। एक अन्य कथा के अनुसार दुर्गम दानव के अत्याचारों से संतप्त जब देवता भगवती शाकंभरी की शरण मे आये तब माता ने त्रिलोकी को मुग्ध करने वाले महागौरी रूप का प्रादुर्भाव किया। यही माता महागौरी आसन लगाकर शिवालिक पर्वत के शिखर पर विराजमान हुई और शाकंभरी देवी के नाम से उक्त पर्वत पर उनका मंदिर बना हुआ है यह वही स्थान है जहां देवी शाकंभरी ने महागौरी का रूप धारण की थी। नवरात्रि की अवधि में मां महागौरी का ध्यान, स्मरण, पूजन-आराधना भक्तों के लिए सार्वधिक कल्याणकारी होता है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। पुराणों में माँ महागौरी की महिमा का प्रचुर आख्यान किया गया है। ये मनुष्य की वृत्तियों को सत् की ओर प्रेरित करके असत् का विनाश करती हैं।

मन्त्र-येथे सम श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभंदद्यान्महादेव-प्रमोद-दा।।

बिहार में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में होगी

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। बिहार में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग प्रयास कर रहा है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने विभागीय समीक्षा के दौरान विभाग के अधिकारियों को इस दिशा में काम करने का सुझाव दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की हिंदी में पढ़ाई पढ़ाई जा रही है। बताया जाता है कि बिहार का स्वास्थ्य विभाग लोकसभा चुनाव के बाद एक टीम मध्य प्रदेश भेज कर इसका अध्ययन कराएगा ।स्वास्थ्य विभाग बिहार की मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स की पढ़ाई को लेकर मध्य प्रदेश फार्मूले पर काम करेगा। हिंदी में कोर्स तैयार करने को लेकर उसको अमली जामा पहनाने तक काम किया जाना है। सबसे बड़ी चुनौती है कि राष्ट्रीय आर्यूविज्ञान आयोग से हिंदी में एमबीबीएस कोर्स आरंभ करने के अनुमति प्राप्त करना है, इसके पीछे विभाग की कोशिश है कि राज्य के विद्यार्थी अपनी मातृभाषा हिंदी में मेडिकल कॉलेज मेडिकल साइंस को आसानी से समझ कर मरीजों को बेहतर इलाज कर सकेगें। मध्य प्रदेश में पहले से ही है परंपरा आरंभ हो गई है ऐसे में बिहार को भी इस दिशा में काम करने में परेशानी नहीं होगी। भाजपा मीडिया प्रभारी एवं भाजपा समर्थक मंच के प्रदेश अध्यक्ष डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से मांग किया है कि होम्योपैथिक का भी पढ़ाई हिंदी में करें। हिंदी मातृभाषा है इसे समझने में आसान होगी तथा उन्होंने मांग किया है कि होम्योपैथिक दवा पाउंड पर जो प्रतिबंध लगा दिया गया है इसे समाप्त कर पहले के तरह लागू किया जाए। पाउंड की जगह 100 एम एल कर देने से दवा कई गुना महंगी हो गई है। इससे होम्योपैथी में इलाज करना काफी महंगा हो गया है। मांग करने वालों में अनील कुमार शर्मा, रेखा शर्मा, पुजा कुमारी, अंकुश कुमार,अनीश कुमार,संजू कुमारी, सत्येंद्र पासवान, शोभा पटेल ममता पटेल अनामिका पटेल आदि

बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतर ढंग से चुनाव कराये : जिलाधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। आसन्न लोक सभा आम 2024 के मद्देनजर आज हाजीपुर, लालगंज, वैशाली एवं महुआ विधान सभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और संबंधित विधान सभा क्षेत्र के अंचलाधिकारियों तथा प्रखंड विकास पदाधिकरियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय विहार प्रशानिक सुधारात्मक संस्थान (वीका) में हुआ। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह - जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने कहा कि सभी पदाधिकारी बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतरीन ढंग से चुनाव कराये। इसके लिए आपस में समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कहा कि सारे बूथ लेबल पदाधिकारी (बीएलओ) के साथ बैठक कर एक सुनियोजित कार्यक्रम तय कर जिला का मतदान 70 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के लिए मनोयोग से लग जाये। उन्होंने पूरी मतदान प्रक्रिया के बारे में बताया और साथ ही इवीएम और वीवीपैट के बारे में भी जानकारी दी। विदित हो कि दिनांक 18.0424 को राजापाकर, राघोपुर, महनार एवं पातेपुर विधान सभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों तथा संबंधित विधान सभा क्षेत्र अंचलाधिकारियों प्रखंड विकास पदाधिकारियों के लिए बीका में ही प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित है। प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी - सह - वरीय उप समाहर्त्ता कुमार अनुज द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता (आपदा), वरीय कोषागार पदाधिकारी अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑडिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

अपने बिहार के लिए ईमानदार जज़्बा

[आईपीएस विकास वैभव लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से चिंतनशील है। उनका कहना है कि हमें एक ऐसी समग्र रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है जो विभिन्न हितधारकों के विविध दृष्टिकोण और लक्ष्यों को ध्यान में रखे। इस रणनीति में प्रत्यास्थता, समानता और न्याय के सिद्धांतों पर भी बल दिया जाना चाहिये।]

बिहार पहले से ही चक्रवात, बाढ़, सूखा और 'हीटवेव' जैसी चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति एवं तीव्रता में वृद्धि का सामना कर रहा है। बहुआयामी जलवायु संकट इन घटनाओं की आवृत्ति और गंभीरता को बढ़ा सकता है, जिससे अवसंरचना, कृषि और मानव बस्तियों को व्यापक क्षति पहुँच सकती है। हम एक बहुआयामी जलवायु संकट (Climate Polycrisis) का सामना कर रहे हैं। यह एक जटिल और बहुआयामी समस्या है जिसके लिये तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। वर्ष 2021 के WHO के 'स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन सर्वेक्षण रिपोर्ट' के अनुसार, जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिये एक गंभीर खतरा है, विशेष रूप से भेद्य या संवेदनशील आबादी के लिये।ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन एक ऐसी मानवीय गतिविधियाँ हैं जिसका असर जलवायु परिवर्तन पर होता है। विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन (जैसे कोयला, तेल एवं प्राकृतिक गैस) का दहन, वनों की कटाई, कृषि पद्धतियाँ और औद्योगिक प्रक्रियाएँ, वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) के उत्सर्जन का कारण बनती हैं। ये GHGs सूर्य से प्राप्त ऊष्मा/ताप को जब्त या ट्रैप कर लेते हैं, जिससे 'ग्लोबल वार्मिंग' और पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में परिवर्तन की स्थिति बनती है। भारत में ऊर्जा, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, प्रवासन और खाद्य उत्पादन जैसे विभिन्न पर्याप्त अलग-अलग क्षेत्रों के बीच अंतर्संबंध देखा जा सकता है जो जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं। डब्लूएचओ (WHO) का अनुमान है कि वर्ष 2030 और 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन के कारण कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और 'हीट स्ट्रेस' के प्रभाव से प्रति वर्ष लगभग 250,000 अतिरिक्त मौतें होंगी। यह भी तय है कि अपने बिहार पर भी इसका जबर्दस्त असर दिखाई देगा। इस परस्पर संबद्ध संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये आईपीएस विकास वैभव लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से चिंतनशील है। उनका कहना है कि हमें एक ऐसी समग्र रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है जो विभिन्न हितधारकों के विविध दृष्टिकोण और लक्ष्यों को ध्यान में रखे। इस रणनीति में प्रत्यास्थता, समानता और न्याय के सिद्धांतों पर भी बल दिया जाना चाहिये। बिहार का कृषि क्षेत्र मानसूनी वर्षा पर अत्यधिक निर्भर है। अनियमित वर्षा पैटर्न, लंबे समय तक सूखे की स्थिति और बाढ़ के साथ बहुआयामी जलवायु संकट फसल चक्र को बाधित कर सकता है, जिससे पैदावार कम हो सकती है तथा खाद्य असुरक्षा बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और किसानों के लिये आर्थिक चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन बिहार में जल की कमी की समस्या को बढ़ा सकता है। बढ़ते तापमान और वर्षा के बदलते पैटर्न से पेयजल, कृषि और औद्योगिक उपयोग के लिये ताजे जल की उपलब्धता कम हो सकती है। इससे जल संसाधनों के लिये संघर्ष उत्पन्न हो सकता है और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से आईपीएस विकास वैभव का कहना है कि बहुआयामी जलवायु संकट से निपटने के लिये एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें व्यक्तियों और व्यवसायों से लेकर सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तक समाज के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया जाए। राष्ट्रीय कार्बन लेखा प्रणाली का कार्यान्वयन इस प्रयास में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा, क्योंकि यह सूचना-संपन्न निर्णय लेने और अधिक सतत भविष्य की दिशा में प्रगति को ट्रैक करने के लिये आवश्यक डेटा एवं रूपरेखा प्रदान करेगा। मैं अपने लेख के माध्यम से कहना चाहता हूं कि अपने बिहार को बचाना है तो, सौर ऊर्जा पर निर्भरता को बढ़ाने हेतु हर उचित कदम सामाजिक संगठनों को लेना होगा। अधिक से अधिक वृक्षों को लगाना होगा और, 30 प्रतिशत वन के आदर्श को पाने हेतु सहयोगात्मक रवैया अपनाना होगा। नजदीक से आईपीएस विकास वैभव को देख रहा हूं और, उनके हर शब्द, हर विचार में बिहार को चहुंमुखी विकास की ओर ले जाने का जज़्बा पाता हूं। उनके इस पवित्र विचार के साथ लाखों लोग प्रत्यक्ष और करोड़ों लोग अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ गए हैं। पर जन जन तक विचार को पहुंचाने हेतु आपका निःस्वार्थ सहयोग चाहिए। आइए, मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं।

एक नजर

नुरुल्लाहपुर के एखलाकबने जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

खोदावंदपुर,बेगूसराय। सागी पंचायत के नुरुल्लाहपुर गांव निवासी मोहम्मद इलियास के पुत्र मोहम्मद एखलाक को जनता दल यूनाइटेड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है. जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मोहम्मद सरफराज आलम ने उन्हें इस पद पर मनोनीत किया है. मोहम्मद एखलाक को जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रखंड अध्यक्ष बनाये जाने पर प्रखंड जदयू अध्यक्ष मनीष कुशवाहा, जदयू नेता अमरेन्द्र कुमार सिंह, फिरोज अख्तर उर्फ हेना, कुंदन झा समेत अनेक एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने अपनी शुभकामनाएं दी है.

कमजोरों वर्ग की आत्मा हैं अम्बेडकर : डॉ भारती

बरौनी बेगूसराय। भारतीय फ्रेंड्स क्लब द्वारा कोल बोर्ड रोड में डॉक्टर संजीव भारती ने केक काटकर डॉ अंबेडकर की जयंती मनाई तथा रेल हाता स्थित अंबेडकर धाम में जाकर माल्यार्पण किया। नगर परिषद बरौनी के क्लब के कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए डॉक्टर संजीव भारती ने कहा कि संविधान बचाने के लिए घर-घर जाकर अंबेडकर के विचार को पहुंचना है तथा सी ए ए कानून के तहत मांगी जाने वाली साक्ष्य जुटाने में लोगों को मदद करनी है। संविधान से छेड़छाड़ कर दलित - पिछड़ा को गुलाम बनाने वाली साजिशकर्ता को पहचान करने तथा उसके विरोध करने को तैयार रहने की जरूरत है। चाहे कुछ भी मगर अपने बच्चों को शिक्षित करे।बैठक में डॉक्टर राजकुमार आजाद ने कहा कि संविधान अगर बदल दिया गया तो पुनः जाति आधारित कार्य करवाए जाएंगे इसलिए शस्त्र और शास्त्र की तैयारी रखनी होगी। दशरथ राम, विनय रजक ,कपिल राम ,संजय राम सहित दर्जनों लोगों ने अपनी बात रखें

शिक्षा विरोधी है मुख्य सचिव के के पाठक का मानसिक संतुलन बिगड़ गया: कन्हैया कुमार

मंझौल, बेगूसराय। एबीवीपी चेरिया बरियारपुर प्रखंड इकाई अंतर्गत कार्यकर्ता अभिनव कुमार के आवास पर सोमवार को शाहपुर में बैठक कर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक के खिलाफ आवाज बुलंद किया गया। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस अवसर पर राज्य विश्वविद्यालय संयोजक कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक के मनमानी के कारण स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की गरिमा को तार-तार हो रहा है। एबीवीपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके जेल के अंदर डालने की मानसिकता पाले बैठे सोच वाले मुख्य सचिव के खिलाफ काली पट्टी बांधकर खुलेआम विरोध करते हुए छात्र नेताओं पर अत्याचार को बंद करने का एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए एबीवीपी सरकार से माँग करती है। जिला सहसंयोजक रवि कुमार एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह गप्पू ने कहा कि के के पाठक शिक्षा विभाग को अपना जागीर तो समझते हैं। बिहार सरकार के संज्ञान में सारी बातें हो रही है। सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के नकारात्मकता का विद्यार्थी परिषद खुलेआम विरोध करता है एवं अपर मुख्य सचिव को हटाने का जल्द-से-जल्द सरकार से माँग करता है। अगर केके पाठक को शिक्षा विभाग से नहीं हटाया गया तो विद्यार्थी परिषद सरकार के खिलाफ आमने-सामने लड़ने के लिए विवश होगी। मौके पर अमित कुमार, रवि कुमार, कन्हैया कुमार, अभिनव कुमार आदि उपस्थित थे।

आज से स्कूलों में विशेष कक्षा शुरू

भगवानपुर /बेगूसराय। भगवानपुर प्रखंड के प्रारंभिक और हाई स्कूलों में सोमवार से ग्रीष्मावकाश के अवसर पर विशेष कक्षा शुरू हो गई।यह जानकारी बीपीएम विवेक कुमार ने दी।उन्होंने बताया कि विशेष कक्षा में शैक्षणिक सत्र 23/24 के मिशन दक्ष के तहत चिन्हित बच्चे, क्लास 5 वी और 8 वी वर्ग के अनुतीर्ण बच्चे, अन्य बच्चे जो विद्यालय आना चाहते थे, क्लास 9 और 11 वी में अनुत्तीर्ण और वार्षिक परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले बच्चो को शामिल किया गया है।पूर्वाह्न 8 बजे से 10 बजे तक दो घंटे कक्षा का संचालन किया गया।साथ ही इस दौरान प्रारंभिक स्कूलों में एमडीएम परोसा गया।

एल एन मिश्र के सत्र 2022-24 के छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट ड्राइव का हुआ समापन समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। यदि कड़ी मेहनत आपका हथियार है तो सफलता आपके मुट्ठी में होगी। इस तथ्य को आज ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के सत्र 2022-24 के छात्र एवं छात्राओं ने चरितार्थ कर दिखाया है। इस वर्ष के प्लेसमेंट ड्राइव के समापन समारोह में चयनित छात्र एवं छात्राओं की खुशी देखते बन रही थी। संस्थान में सत्र 2022-24 में नामांकित एम०बी०ए०, एम०बी०ए० (आई०बी०), तथा एम०बी०ए० (एच०आर०डी०) के कुल 165 छात्र एवं छात्राओं का चयन 41 कम्पनी में अधिकतम 15.2 लाख एवं औसतन 6 लाख के पैकेज पर विभिन्न पदों पर चयन हुआ। प्लेसमेंट सीजन में फेडरल बैंक, केनरा रोबेको ए०एम०सी०, कॉम्फेड, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईडीबीआई बैंक, पैंटालून्स, अमूल, एचडीएफसी ए०एम०सी०, आईटीसी, पेप्सीको, बर्जर पेंट्स, जीविका, आई०सी०आई०सी प्रूडेंसियल, एस०बी०आई० लाइफ, मैक्स फैशन, रिलांयस डिजिटल, इमामी, यूनाइटेड एकता, इंडस टावर्स, प्रिज्म जॉनसन एवं दैनिक जागरण जैसे प्रमुख कंपनियों की भागीदारी रही। प्रेस वार्ता में अपने मनोभाव को अभिव्यक्त करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ० एस० सिद्धार्थ (भा०प्र० से०) ने कहा कि यह संस्थान रोजगार एवं रोजगार सृजन की दिशा में शुरू से ही अग्रणी रहा है तथा प्रत्येक वर्ष नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने चयनित छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमारे संस्थान के छात्र एवं छात्राएँ आज भारत के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कम्पनियों में कार्य कर रहें हैं एवं नए कार्य संस्कृति स्थापित कर ख्याति प्राप्त कर रहें हैं। संस्थान के कुलसचिव सुधीर कुमार (बि०प्र० से०) ने प्लेसमेंट सेल के क्रियाकलाप को धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी अधिक संख्या में छात्र एवं छात्राओं का चयन निश्चित ही संस्थान की बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के प्लेसमेंट प्रभारी डॉ० प्रीति सिंह ने इस अवसर पर खुशी अभिव्यक्त करते हुए कहा कि ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान ने खुद को राज्य में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित किया है और सफल प्लेसमेंन्ट ने इसकी स्थिति को और मजबूत कर दिया है। समग्र शिक्षण एवं अनुभव प्रदान करने पर संस्थान का हमेशा ध्यान रहा है जिस कंपनी द्वारा अत्यधिक सराहना की गयी है और इसने अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक मानदंड निर्धारित किया है एवं कोई भी उपलब्धि बिना टीम सदस्य के संभव नहीं हैं, प्लेसमेंट के कार्य में संलग्न श्रीमती अनुमेहा सिंह (प्लेसमेंट पदाधिकारी), नवीन रंजन (प्लेसमेंट सहायक), शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी सभी का सहयोग प्राप्त हुआ है और सभी को मैं हृदय से धन्यवाद देती हूँ। मौके पर उपस्थित प्लेसमेंट अधिकारी श्रीमती अनुमेहा सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत के लिए तैयार करना है एवं उनकी कैरियर योजना में सहायता प्रदान कर अधिक से अधिक चयन कराना है।

कोशी गौरव सम्मान से सम्मानित हुए लेखक पत्रकार महेश भारती

नई सोच एक्सप्रेस

साहित्य और पत्रकारिता में योगदान के लिए एक दर्जन से अधिक किताबों के लेखक महेश भारती को कटिहार की सर्वोदय समाज संस्था ने कोशी गौरव सम्मान से सम्मानित किया है। संविधान निर्माता डा भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर कटिहार के टाउन हाल में आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री भारती को साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कोशी गौरव सम्मान से नवाजा गया। मौके पर बोलते हुए सर्वोदय समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि अंबेडकर जयंती पर आयोजित इस पांचवें कोशी सम्मान समारोह में बेगूसराय के महेश भारती को उनके उपन्यास कजोमा घाट,कगती माय और इतिहास की पुस्तक नील से नीलहे तक सहित आधे दर्जन कविता संग्रह की पुस्तकों का साहित्यिक अवदान को लेकर उन्हें इस बार कोशी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय विद्यालय खगौल के वार्षिकोत्सव पर विद्यालय पत्रिका "उड़ान" का हुआ लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

खगौल। सोमवार 15 अप्रैल को केंद्रीय विद्यालय खगौल में वार्षिकोत्सव मनाया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के कप्तान अनुष्का और हंसराज द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया। वार्षिकोत्सव का उद्घाटन दानापुर डिवीजन के डीआरएम जयंत चौधरी एवं श्रीमती शालिनी चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस आयोजन में विद्यालय के विशेष प्रतिभा संपन्न छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जब सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां प्रारंभ हुई तो ऐसा लगा मानो पूरा भारतवर्ष सिमट कर केंद्रीय विद्यालय खगौल में साकार हो गया है। एक-एक कर देश के लगभग सभी हिस्से नृत्य के माध्यम से मंच पर जीवंत होते चले गए। प्राचार्य श्रीमती स्निग्धा आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले सत्र में हमारी यह कोशिश रही है कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय में ज्यादा से ज्यादा पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों का आयोजन किया जाए।इस तरह की गतिविधियां एक छात्र के संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण होती हैं। यह वार्षिकोत्सव उसी का एक प्रतिबिंब है।मुख्य अतिथि डीआरएम जयंत चौधरी ने कहा कि आज बच्चों में तार्किकता एवं सृजनशीलता को विकसित किया जाना बहुत ही आवश्यक है। ऐसा किया जाएगा तभी हमारे बच्चे अपने देश के लिए कुछ नया कर पाएंगे। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ शिक्षक चंद्रबिंद सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर डीपीओ अशोक कुमार एवं श्रीमती श्वेता रानी की उपस्थिति रही।अन्य गणमान्य लोगो में रंगकर्मी नवाब आलम उपस्थित थे | शिक्षकों में डॉ.अनिल कुमार सनगही, विपुल विकाश, मनोज कुमार, सुनील बैरवा एवं जीतेन्द्र कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

नाटक सैया भये कोतवाल ने किया भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार

नई सोच एक्सप्रेस

स्थानीय दिनकर कला भवन में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित एवं एक्टिव कल्चरल सोसायटी द्वारा प्रदर्शित बसंत सबनीश द्वारा लिखित इम्तियाजुल हक डब्लू द्वारा निर्देशित नाटक ,सैया भये कोतवाल , का सफल मंचन किया गया। इस आयोजन के प्रथम सत्र में मंच पर उपस्थित अतिथि के रूप में (समाजसेवी) दिलीप कुमार सिन्हा, संजय गौतम, डॉ रमन झा(रंग निर्देशक) अमित रोशन, संजय राज, मो0 फैय्याजुल हक, सुनील राय शर्मा द्वारा सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित किया गया इस दौरान संस्था ने सभी अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र कियाइस हास्य और व्यंग्य नाटक के माध्यम से निर्देशक ने बड़ी खूबसूरती के साथ लेखक के तथ्यों को मजबूती देते हुए सहज और सरल रूप में भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर करारा प्रहार किया। एक राजा जिसे अच्छे और बुरे की पहचान नहीं होती है राज्य के हाल-चाल से बेखबर राजा अपने में मगन रहता है, उसी राज्य में मैनावती नाम कि नाचने गाने वाली से हवलदार का प्रेम चलता है और कोतवाल बनने के बाद शादी करने का वादा करता है। उस कोठा पर प्रधान से लेकर सभी ऑफिसर का आना-जाना होता है , एक दिन कोतवाल की मौत हो जाती है मैनावती और हवलदार यह खबर सुनकर खुश होता है और अपनी शादी की तैयारी में लग जाता है। तभी अचानक परिवार बाद का परिचय देते हुए प्रधान अपने अनपढ़ साला को कोतवाल घोषित कर देता है। फिर मैनावती हवलदार सिपाही मिलकर अनपढ़ कोतवाल के खिलाफ षड्यंत्र करता है और कोतवाल को मैनावती अपने जाल में फसाती है धीरे-धीरे राजा की सभी कीमती समान कोतवाल से चोरी करवा लेती है,इस बात की सूचना राजा को हवलदार देता है रूप बदलकर राजा कोतवाल को पकड़ता है उसे सजा मिलती है और उसकी जगह हवलदार को कोतवाल बना दिया जाता है फिर होती है हवलदार मैनावती की शादी। नाटक में राजा हरीकिशोर ठाकुर, मैनावती नैंनसी प्रिया, कोतवाल रविशंकर रंक , हवलदार दिवाकर कुमार, शाक्या शुभम कुमार सिपाही शशिकांत कुमार ने अपने अभिनय से दर्शकों कि खूब वाहवाही लूटी तो वहीं दूसरी ओर सूत्रधार हरिश्चंद्र कुमार, भारती कुमारी, प्रधान रोबिन कुमार ने सशक्त अभिनय का परिचय दिया तो कोरस में चंद्रशेखर पासवान, रेबी कुमारी, विकास कुमार, संजय कुमार के अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया । इस पूरे नाटक में संगीत विषय वस्तु के अनुसार काफी लोकप्रिय रहा जिसे रंजीत राय, चांदनी कुमारी, कोमल कुमारी, नंदकिशोर मलाकार ने दिया प्रकाश परिकल्पना मनोज कुमार का था तो रूप सज्जा डॉ रंजीत सृष्टि, रेबी कुमारी ने किया मंच संचालन दीपक कुमार सिंह तो इस आयोजन का संयोजक सोशल एंड कल्चरल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने किया, तथा अंतिम सत्र में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सभी कलाकारों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

एक नजर

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर अदाणी पावर प्लांट परिसर में शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

- पावर प्लांट के अधिकारियों और फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने 2 मिनट का रखा मौन

गोड्डा। अदाणी पावर प्लांट परिसर में रविवार को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। इस दौरान पावर प्लांट स्थित फायर स्टेशन भवन में अग्निशमन कर्मियों द्वारा मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया गया. सोमवार को अग्निशमन कर्मियों और अदाणी पावर के अधिकारियों की उपस्थिति में शहीद जवानों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत अदाणी पावर प्लांट के स्टेशन हेड रमेश झा ने शहीदों को याद करते हुए पुष्प चक्र डाल कर किया. उसके बाद एक कर सभी अधिकारियों ने पुष्प अर्पण करके अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की. अदाणी पावर प्लांट के सेफ्टी डिपार्टमेंट प्रमुख रणधीर कुमार ने बताया कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर माल वाहक जहाज फोर्ट स्टीकेन में लगी आग पर साहस व पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए काबू पाने के क्रम में आग बुझाने वाले दमकल के 66 अग्निशमन कर्मी आग की लपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हुए थे. इन बहादुर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन दिवस मनाया जाता है. अदाणी पावर प्लांट परिसर में 14 अप्रैल से 19 अप्रैल तक अग्निशमन दल द्वारा अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाते हुए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने क्रिएटिविटि, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए सप्लायर इनोवेशन डे का किया आयोजन

पटना। अपने अलग हटकर नजरिए के लिए मशहूर उभरते बाजार की एक अग्रणी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने हाल में सप्लायर इनावेशन डे का आयोजन किया। इसका उद्देश्य आपूर्तिकर्ताओं और भागीदारों के व्यापक नेटवर्क के भीतर क्रिएटिविटि, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम ने एफएमसीजी व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में विचारों को साझा करने और नवीन समाधान तलाशने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया। विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं ने अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के भारत और सार्क के लिए प्रोडक्ट सप्लाई ऑर्गेनाइजेशन के हेड सौरभ झावर ने कहा, 'इनोवशन हमारे संगठनात्मक लोकाचार के मूल में है। हमारा सप्लायर इनोवेशन डे हमारे दृढ़ विश्वास का उदाहरण है कि साझेदारी और नवाचार हमारी तेजी, सफलता और दुनिया भर के उपभोक्ताओं के साथ मेल खाने वाले उत्पाद बनाने की क्षमता के पीछे प्रेरक शक्ति है। इस भागीदारी और विचारों की व्यापकता ने न केवल हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध किया है, बल्कि निरंतर विकसित हो रहे बाजार में सतत विकास और हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को बनाए रखने के प्रति हमारे समर्पण की भी पुष्टि की है।' सप्लायर इनोवेशन डे में पैकेजिंग सामग्री, इत्र, कच्चे माल और अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले जीसीपीएल के संभावित भागीदारों और प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इनोवेशन को आगे बढ़ाने के लिए एक समान दृष्टिकोण से एकजुट होकर प्रतिभागी जीवंत नेटवर्किंग सत्रों और ज्ञानवर्धक चर्चाओं में सक्रिय रूप से शामिल हुए। मार्केटिंग, अनुसंधान एवं विकास, श्रेणी प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण कार्यक्षेत्रों को शामिल करते हुए इस क्रॉस-फंक्शनल जुड़ाव का उद्देश्य भविष्य की पहल के लिए मार्ग प्रशस्त करते हुए नवाचार के संभावित अवसरों को उजागर करना है। इस आयोजन ने टिकाऊ प्रथाओं, प्रौद्योगिकी एकीकरण, प्रक्रिया जानकारी, नवीन पैकेजिंग और प्रोडक्ट इनोवेशन पर महत्वपूर्ण चर्चाओं को प्रोत्साहित और सुविधाजनक बनाया। इससे सुझाव मिले कि कैसे जीसीपीएल सतत विकास के लिए नवाचार का लाभ उठा सकता है और अपने पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) फोकस के साथ-साथ तेजी से विकसित हो रहे बाजार में आगे रह सकता है।

वनवासी कल्याण आश्रम में 51कन्याओं का किया पूजन

कटिहार। वनवासी कल्याण आश्रम, दिग्गी कटिहार में चेत्ती नवरात्रि के उपलक्ष्य पर 51कन्याओं का पूजन किया गया।शशि डालमिया वनवासी कल्याण छात्रावास की कन्याओं सहित ग्राम की कन्याओं ने भी इस पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।कन्या पूजन कार्यक्रम में छात्रावास की अध्यक्ष छाया तिवारी,सचिव सविता सुमीत, सहित विभा मिश्रा, रीना झा, चांदनी देवी, नीलू साह, आरती चौधरी, विभा कुमारी, बूला सिंह, पूनम सिंह, इशिका राज, विनीता वाधवानी, सुनैना पांडे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक आलोक कुमार, बबन झा, निर्मल डालमिया, अजय साह, रेवती कांत, बनवासी कल्याण आश्रम क नगरीय संयोजक कार्यालय अरूण चौधरी, नीना, विजय अग्रवाल, ध्रुव झा,अजय कुमार साह, अमित कुमार गुप्ता, राजेश साह,अजय साह, दीपक, दिनेश शर्मा, रवि झा, अजय, सुमित, अभिषेक कुमार, ज्योति, पुष्पा देवी, मालती, पूजा आदि ने भाग लिया।

जीवन जीने की उत्तम शिक्षा देने वाला ग्रन्थ है रामायण ! - रामनवमी पर विशेष

नई सोच एक्सप्रेस

22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर में श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कई सौ वर्षों की प्रतीक्षा के बाद की गई । इस शुभ अवसर पर श्रीराम तत्व अन्य दिनों की तुलना में अधिक सक्रिय रहा । इस श्रीराम तत्व का लाभ सभी राम भक्तों ने लिया और भक्ति भाव से रामलला के आगमन का स्वागत किया। अनेक भक्तों ने पूरे दिन 'श्री राम जय राम जय जय राम" का जाप किया। कई रामभक्तों ने श्रीराम जी के प्रति भाव प्रकट करने के लिए श्रीराम तत्त्व की रंगोली बनाई, घर सजाए, दीप जलाए, राम भजन गाए, स्तोत्र पठन किए तथा श्री राम जी के गुणगान किए। रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के बाद यह प्रथम रामनवमी है। इस रामनवमी पर भगवान श्रीराम साक्षात् इस धरा पर विराजमान हैं ऐसा भाव रखकर और उनकी शरण जाकर उनका गुणगान कर और 'श्री राम जय राम जय जय राम" का जाप कर श्रीराम तत्त्व का 1000 गुना अधिक लाभ ले सकते हैं । रामायण जीवन जीने की सबसे उत्तम शिक्षा देती है - भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास हुआ तो उनकी पत्नी सीता ने भी सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया । परंतु बचपन से ही बडे भाई की सेवा में रहने वाले लक्ष्मण कैसे राम जी से दूर हो जाते ! माता सुमित्रा से तो उन्होंने आज्ञा ले ली थी, वन जाने की..... परंतु पत्नी उर्मिला के कक्ष की ओर बढते हुए दुविधा में थे । सोच रहे थे कि मां ने तो आज्ञा दे दी, परंतु उर्मिला को कैसे समझाऊंगा ! क्या कहूंगा ! यहीं सोच-विचार करते हुए जब अपने कक्ष में पहुंचे तो देखा कि उर्मिला आरती का थाल लेकर खडी थीं । वे बोलीं, "आप मेरी चिंता छोड, प्रभु की सेवा में वन जाओ । मैं आपको नहीं रोकूंगी । मेरे कारण आपकी सेवा में कोई बाधा न आए, इसलिए साथ जाने की जिद्द भी नहीं करूंगी ।" लक्ष्मणजी को कहने में संकोच हो रहा था । परंतु उनके कुछ कहने से पहले ही उर्मिला ने उन्हें संकोच से बाहर निकाल दिया । वास्तव में यही पत्नी-धर्म है । पति संकोच में पडे, उससे पहले ही पत्नी उसके मन की बात जानकर उसे संकोच से निकाल दे ! लक्ष्मण जी चले गये परंतु 14 वर्ष तक उर्मिला ने एक तपस्विनी की भांति कठोर तप किया । वन में भैया-भाभी की सेवा में लक्ष्मण जी कभी सोये नहीं, परंतु उर्मिला ने भी अपने महल के द्वार कभी बंद नहीं किए और सारी रात जाग-जागकर उस दीपक की लौ को बुझने नहीं दिया । मेघनाथ से युद्ध करते हुए जब लक्ष्मण को शक्ति लग जाती है और हनुमान जी उनके लिये संजीवनी बूटी सहित द्रोण गिरी पर्वत लेकर लौट रहे थे, तब मार्ग में अयोध्या पडी और नंदीग्राम में भरत ने उन्हें राक्षस समझकर बाण मार दिया । हनुमान गिर जाते हैं । तब हनुमान संपूर्ण वृत्तांत सुनाते हैं कि सीता जी को रावण ले गया और लक्ष्मण मूर्छित हैं । यह सुनते ही कौशल्या जी कहती हैं कि राम को कहना कि लक्ष्मण के बिना अयोध्या में पैर भी मत रखना । राम वन में ही रहे । माता सुमित्रा कहती हैं कि राम से कहना कि कोई बात नहीं । अभी शत्रुघ्न है । मैं उसे भेज दूंगी । मेरे दोनों पुत्र राम सेवा के लिए ही तो जन्मे हैं । माताओं का प्रेम देखकर हनुमान की आखों से अश्रुधारा बह रही थी । उन्होंने उर्मिला की ओर देखा, तो सोचने लगे कि यह इतनी शांत और प्रसन्न कैसे हैं ? क्या इन्हें अपनी पति के प्राणों की कोई चिंता नहीं? हनुमान पूछते हैं – देवी ! आपकी प्रसन्नता का कारण क्या है ? आपके पति के प्राण संकट में हैं । सूर्य उदित होते ही सूर्य कुल का दीपक बुझ जाएगा । इस पर उर्मिला का उत्तर सुनकर तीनों लोकों का कोई भी प्राणी उनकी वंदना किए बिना नहीं रह पाएगा । वे बोलीं -"मेरा दीपक संकट में नहीं है, वह बुझ ही नहीं सकता । रही सूर्योदय की बात तो आप चाहें तो कुछ दिन अयोध्या में विश्राम कर लीजिए, कारण आपके वहां पहुंचे बिना सूर्य उदित हो ही नहीं सकता । आपने कहा कि प्रभु श्रीराम मेरे पति को अपनी गोद में लेकर बैठे हैं । जो योगेश्वर राम की गोद में लेटा हो, काल उसे छू भी नहीं सकता । यह तो वे दोनों लीला कर रहे हैं । मेरे पति जब से वनवास गए, तब से सोये नहीं हैं । उन्होंने न सोने का पण लिया था । इसलिए वे थोडी देर विश्राम कर रहे हैं, और जब भगवान् की गोद मिल गई है तो थोडा अधिक विश्राम हो गया । वे उठ जाएंगे और शक्ति मेरे पति को लगी ही नहीं है । शक्ति तो रामजी को लगी है । मेरे पति की हर श्वास में राम हैं, हर धडकन में राम, उनके रोम-रोम में राम हैं, उनके लहु की बूंद-बूंद में राम हैं, और जब उनके शरीर और आत्मा में केवल राम ही हैं, तो शक्ति रामजी को ही लगी, वेदना रामजी को हो रही है । इसलिए हे हनुमान, आप निश्चिंत होकर जाएं । सूर्य उदित नहीं होगा ।" रामराज्य की नींव जनक की बेटियां ही थीं... कभी सीता तो कभी उर्मिला । भगवान राम ने तो केवल रामराज्य का कलश स्थापित किया, परंतु वास्तव में रामराज्य इन सबके प्रेम, त्याग, समर्पण और बलिदान से ही आया । अखंड भारत की स्थापना - भगवान श्रीराम ने ही सर्वप्रथम भारत की सभी जातियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान किया था । एक भारत का निर्माण कर, उन्होंने सभी भारतीयों के साथ मिलकर अखंड भारत की स्थापना की थी । भारतीय राज्य तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, केरल, कर्नाटक सहित नेपाल, लाओस, कंपूचिया, मलेशिया, कंबोडिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, बाली, जावा, सुमात्रा और थाईलैंड आदि देशों की लोक-संस्कृति व ग्रंथों में आज भी राम इसीलिए पूजनीय माने जाते हैं । आज इंडोनेशिया मुस्लिम बहुल राज्य बनने के उपरांत भी वहां के राजा को 'राम' कहा जाता है, वहां की एअर लाईन्स को 'गरुडा' नाम दिया गया है और वहां रामायण आज भी प्रचलित है । परंतु अंग्रेज के शासनकाल में ईसाइयों ने धर्म परिवर्तन का कुचक्र चलाया और श्रीराम को वनवासियों से अलग करने के पूरे प्रयत्न किए, जो आज भी जारी हैं । इस रामनवमी पर भगवान श्री राम से प्रेरणा लेकर पूर्ण समर्पित होकर रामराज्य की स्थापना के लिए प्रयास कर पाएं, यही श्रीराम जी के चरणों में प्रार्थना करते हैं।

महुआ : एक कल्पवृक्ष जो इंसान समेत पृथ्वी के अन्य प्राणियों के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हैं

नई सोच एक्सप्रेस

महुआ के फूल , सुंदर, और मीठी सुंगंध वाले , जब पुष्पित होते हैं तो वातावरण में नशीली खुशबू छा जाती है

मधुक अर्थात महुआ, आम आदमी का पुष्प और फल दोनों हैं। आम आदमी का फल होने के कारण यह जंगली हो गया, और जंगल के प्राणियों का भरपूर पोषण किया। आज के शहरी लोग इसे आदिवासियों का अन्न कहते हैं। सच तो यह है कि गांव में बसने वालों उन लोगों के जिनके यहां महुआ के पेड़ है, बैसाख और जेठ के महीने में इसके फूल नाश्ता और भोजन हैं। पांचवे दशक में महुआ ग्रामीण जन-जीवन का आधार होता था। प्रत्येक घर में शाम को महुआ के सूखे-फूल को धो-साफ कर चूल्हों में कंडा-उपरी की मंद आंच में पकाने के लिए रख देते थे। रातभर वह पकता,पक कर छुहारे की तरह हो जाता। ठंडा हो जाने पर उसे दही, दूध के साथ खाने का आनन्द अनिर्वचनीय होता। कुछ लोग आधा पकने पर कच्चे आम को छीलकर उसी में पकने के लिए डाल देते। वह खटमिट्ठा स्वाद याद आते ही आज भी मुंह में पानी आ जाता है। लेकिन न वे पकाने वाली दादियां रहीं न, माताएं अब तो सिर्फ उस मिठास की यादें भर शेष हैं। इसे डोभरी कहते, इसे खाकर पटौंहा में कथरी बिछाकर जेठ के घाम को चुनौती दी जाती थी। लगातार दो महीने सुबह डोभरी खाने पर देह की कान्ति बदल जाती थी। डोभरी का अहसास आज भी जमुहाई ला देता है। महुआ के पेड़ों के नीचे पडे मोती के दाने टप-टप चूते हैं सुबह देर तक, इन्हें भी सूरज के चढ़ने का इन्तजार रहता है। जो फूल कूंची में अधखिले रह जाते है, रात उन्हें सेती है, दूसरे दिन उनकी बारी होती है। पूरे पेड़ को निहारिये एक भी पत्ता नहीं, सिर्फ टंगे हुए, गिरते हुए फूल। दोपहर और शाम को विश्राम की मुद्रा में हर आने-जाने वाले पर निगाह रखते हैं। कुछ इतने सुकुमार होते हैं कि कूंची में ही सूख जाते हैं, वे सूखकर ही गिरते हैं, उनकी मिठास मधु का पूर्ण आभाष देती है। जब वृक्ष के सारे फूल धरती को अर्पित हो जाते हैं तब ग्रीष्म के सूरज को चुनौती देती लाल-लाल कोपलों से महुआ, अपना तन और सिर ढकता है। कुछ ही दिनों में पूरा वृक्ष लहक उठता है। नवीन पत्तों की छाया गर्मी की लुआर को धता बताती है। फूल तो झर गये लेकिन वृक्ष का दान अभी शेष है। वे कूंचियां जिनसे फूल झरे थे, महीने डेढ़ महीने बाद गुच्छों में फल बन गए। परिपक्व होने पर किसान इनको तोड़-पीटकर इनके बीज को निकाल-फोड़कर बीजी को सुखाकर इसका तेल बनाते है। रबेदार और स्निग्ध, इस तेल को गांव डोरी के तेल के नाम से जानता है। ऐंड़ी की विबाई, चमडे की पनही को कोमल करने देह में लगाने से लेकर खाने के काम आता है। गांव की लाठी कभी इसी तेल को पीकर मजबूत और सुन्दर साथी बनती थी, जिसे सदा संग रखने की नसीहत कवि देते थे। महुआ गर्मी के दिनों का नाश्ता तो है ही कभी-कभी पूरा भोजन भी होता है। बरसात के तिथि,त्यौहारों में इसकी बनी मौहरी (पूड़ी) सप्ताह तक कोमल और सुस्वाद बनी रहती है। मात्र आम के आचार के साथ इसे लेकर पूर्ण भोजन की तृप्ति प्राप्त होती है। इस महुए के फूल के आटे का कतरा सिंघाडे के फूल को फीका करता है। सूखे महुए के फूल को खपड़ी (गगरी) में भूनकर, हल्का गीला होने पर बाहर निकाल भुने तिल को मिलाकर, दोनों को कूटकर बडे लड्डू जैसे लाटा बनाकर रख लेने से वर्षान्त के दिनों में पानी के जून में, नाश्ते के रूप में लेने से जोतइया की सारी थकान एक लाटा और दो लोटा पानी, दूर कर देता है। लाटा को काड़ी में छिलका रहित झूने चने के साथ कांड़कर चूरन बना कर सुबह एक छटांक चूरन और एक गिलास मट्ठा पीकर ताउम्र पेट की बीमारियों को दफा किया जा सकता है। संसार के किसी भी वृक्ष के फूल के इतने व्यंजन नहीं बन सकते। व्रत त्यौहार में हलछठ के दिन माताएं महुआ की डोभरी खाती है। ईसका वृक्ष भले सख्त हो फूल और फल तो अत्यंत कोमल हैं। जब आपने नारियल जैसे सख्त फल को अपना लिया है तो महुए ने भला कैसा गुनाह किया है। अपनाईये खाईये और खिलाईये ! क्योंकि महुआ का पेड़ वात (गैस), पित्त और कफ (बलगम) को शांत करता है, वीर्य व धातु को बढ़ाता और पुष्ट करता है, फोड़ों के घाव और थकावट को दूर करता है, यह पेट में वायु के विकारों को कम करता है, इसका फूल भारी शीतल और दिल के लिए लाभकारी होता है तथा गर्मी और जलन को रोकता है। यह खून की खराबी, प्यास, सांस के रोग, टी.बी., कमजोरी, नामर्दी (नपुंसकता), खांसी, बवासीर, अनियमित मासिक-धर्म, वातशूल (पेट की पीड़ा के साथ भोजन का न पचना) गैस के विकार, स्तनों में दूध का अधिक आना, फोड़े-फुंसी तथा लो-ब्लडप्रेशर आदि रोगों को दूर करता है।

वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी ने बेहतर प्रशिक्षण के लिए पटना में अपने संस्थान को आधुनिक सेंटर में रीलोकेट किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटनाः सौन्दर्य एवं प्रशिक्षण उद्योग में जाने-माने नाम वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी ने अपने संस्थान को पटना में बड़ी एवं अधिक आधुनिक सुविधा में रीलोकेट करने की घोषणा की है। अपने छात्रों को बेहतर सुविधाएं एवं प्रशिक्षण के आधुनिक अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के तहत वीएलसीसी से यह फैसला लिया है। बड़े स्थान और आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह नया परिसर उन महत्वाकांक्षी छात्रों को लर्निंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेगा जो ब्यूटी प्रोफेशनल्स के रूप में करियर बनाना चाहते हैं। नया स्थान बलुआ निवास, बोरिंग रोड में खोला गया है। पटना, बिहार के ए.एन. कॉलेज के सामने, दूसरी मंजिल पर स्थित है। रीलोकेशन के अलावा वीएलसीसी ने इस साल विभिन्न स्थानों पर 20 और संस्थान खोलने की योजना बनाई है। यह विस्तार प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा ब्यूटी एवं वैलनैस उद्योग में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने की वीएलसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी, जिसे पहले वीएलसीसी इंस्टीट्यूट के नाम से जाना जाता था, 2001 से भारत में कौशल विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। 100 से अधिक एकेडमियों और 10,000 से अधिक सालाना छात्रों के साथ यह संस्थान भारतीय वैलनैस एवं ब्यूटी उद्योग में कुशल पेशेवरों के निर्माण में सबसे बड़ा योगदान देता है। मेकअप, हेयर, स्किन, नेल्स, एस्थेटिक्स, कॉस्मेटोलोजी एवं न्यूट्रिशन में 100 से अधिक कोर्सेज़ के साथ वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी भारत का एकमात्र ब्यूटी स्कूल है जो अपने सभी कोर्सेज़ के लिए भारत सरकार का एनएसडीसी कौशल भारत सर्टिफिकेट एवं यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी सर्टिफिकेशन देता है। अपने नए पते और लगातार विस्तार के प्रयासों के साथ वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी, छात्रों को ब्यूटी उद्योग में ज्ञान एवं कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड का 18,000 करोड़ का फ़र्दर पब्लिक ऑफरिंग (एफपीओ) गुरुवार 18 अप्रैल, 2024 को खुलेगा

नई सोच एक्सप्रेस

पटनाः वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआई या द कंपनी), गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी फ़र्दर पब्लिक ऑफरिंग (एफपीओ) के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी। कुल ऑफर साइज़ में 1,80,000 मिलियन 18,000 करोड़, तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल है। (फ्रेश इश्यू) (कुल इश्यू साइज़) ऑफर का प्राइस बैंड 10 से 11 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 1,298 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 1,298 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है (मूल्य बैंड)। एंकर निवेशक बोली की तारीख मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024 होगी। बोली/प्रस्ताव सदस्यता के लिए गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 को खुलेंगे और सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 को बंद होंगे (बोली/प्रस्ताव अवधि)। कंपनी इक्विटी शेयरों के नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग इन कार्यों की फंडिंग के लिए करने का प्रस्ताव करती है - (प) अपने नेटवर्क बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 1,27,500 मिलियन 12,750 करोड़, से उपकरणों की खरीद, जिसमें (ए) नई 4जी साइटें स्थापित करना शामिल है; (बी) मौजूदा 4जी साइटों और नई 4जी साइटों की क्षमता का विस्तार करना और (सी) नई 5जी साइटों की स्थापना करना; (पप) दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए कुछ आस्थगित भुगतान और उस पर जीएसटी की राशि 21,753.18 मिलियन 2,175 करोड़, और (अ) शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए (प्रस्ताव के उद्देश्य)। 11 अप्रैल, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। यह पेशकश सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 155 के संदर्भ में फास्ट ट्रैक रूट के माध्यम से की जा रही है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 129(1) के अनुसार और बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी और ऐसा भाग, क्यूआईबी भाग) को आनुपातिक आधार पर 50 प्रतिषत से अधिक ऑफर आवंटित नहीं किया जाएगा। हमारी कंपनी बुक रनिंग लीड मैनेजरों के परामर्श से, सेबी आईसीडीआर विनियम (एंकर निवेशक भाग) के अनुसार विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60 प्रतिषत तक आवंटित कर सकती है, जिसमें से कम से कम एक- तिहाई केवल घरेलू म्यूचुअल फंड के आवंटन के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार, एंकर निवेशक आवंटन मूल्य पर या उससे ऊपर घरेलू म्यूचुअल फंड से वैध बोलियां प्राप्त हों। एंकर निवेशक हिस्से में कम सदस्यता, या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरों को क्यूआईबी हिस्से के हिस्से में जोड़ा जाएगा, जिसमें एंकर निवेशकों को आवंटित इक्विटी शेयरों की संख्या (नेट क्यूआईबी हिस्सा) को कम किया जाएगा। इसके अलावा, नेट क्यूआईबी भाग का 5 प्रतिषत केवल म्यूचुअल फंड के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, और शेष क्यूआईबी भाग म्यूचुअल फंड सहित एंकर निवेशकों के अलावा म्यूचुअल फंड सहित सभी क्यूआईबी बोलीदाताओं के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, ऑफर मूल्य पर या उससे ऊपर से वैध बोलियां प्राप्त होने के अधीन। हालाँकि, यदि म्यूचुअल फंड की कुल मांग नेट क्यूआईबी हिस्से के 5 प्रतिषत से कम है, तो आवंटन के लिए उपलब्ध शेष इक्विटी शेयर क्यूआईबी को आनुपातिक आवंटन के लिए शेष क्यूआईबी हिस्से में जोड़ दिए जाएंगे। इसके अलावा, सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियमन 129(1) के अनुसार, प्रस्ताव का कम से कम 15 प्रतिषत गैर-संस्थागत बोलीदाताओं को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें से (ए) ऐसे हिस्से का एक तिहाई हिस्सा 0.20 मिलियन से 1.00 मिलियन तक की बोली वाले बोलीदाता के लिए आरक्षित होगा; और (बी) ऐसे हिस्से का दो तिहाई हिस्सा 1.00 मिलियन से अधिक की बोली वाले आवेदकों के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि ऐसी उप-श्रेणियों में से किसी में भी सदस्यता रहित हिस्से को गैर-संस्थागत बोलीदाताओं की अन्य उप-श्रेणी में आवेदकों को आवंटित किया जा सकता है। एंकर निवेशकों के अलावा सभी संभावित बोलीदाताओं को अपने संबंधित बैंक खाते (यूपीआई बोलीदाताओं के मामले में यूपीआई आईडी सहित) का विवरण प्रदान करके एप्लिकेशन सपोर्टेड बाइ ब्लॉक अमाउंट (एएसबीए) प्रक्रिया का अनिवार्य रूप से उपयोग करना आवश्यक है, जिसमें संबंधित बोली राशि शामिल है। एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेफ़रीज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। यहां उपयोग किए गए लेकिन परिभाषित नहीं किए गए सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो आरएचपी में बताया गया है।

मोदी 3 की आर्थिक चुनौतियां

आरती कुमारी

पिछले कुछ समय से तमाम अंतरराष्ट्रीय आर्थिक पंडितों को धता बताते हुए भारत, वैश्विक अपेक्षाओं से भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। इसी के फलस्वरुप पूरी दुनिया अब भारत को निर्विवाद रूप से सबसे तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था मान चुकी है। इसी क्रम में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के बाद तेजी से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। परंतु इसी के साथ अपने प्रतिस्पर्धी एवं पड़ोसी देश चीन के साथ अपनी तुलना करने पर हमें कुछ कठोर यथार्थ का भी सामना करना पड़ता है। आज नहीं तो कल वैश्विक मंच पर चीन को पछाड़ने के लिए हमें ऐसे कठोर यथार्थ को स्वीकार करते हुए उन सभी मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है जहां हम चीन से पीछे रह गए हैं।

एक और जहां चीन का प्रति कैपिटा इनकम 12000 अमेरिकी डॉलर से अधिक है वहीं दूसरी ओर भारत का प्रति कैपिटा इनकम मात्र 2200 अमेरिकी डॉलर है। एक तरफ चीन ने अपने देश से गरीबी का उन्मूलन कर दिया है तो वहीं दूसरी ओर भारत में गरीबी एक यक्ष प्रश्न है। देश की आजादी के समय भारत की स्थिति चीन से काफी बेहतर थी, परंतु भारत के अर्थव्यवस्था के विकास में हुई कुछ भारी गलतियों के कारण हम चीन से विकास की रफ्तार में बहुत पीछे छूट गए थे जिसे पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में सरकार के अथक प्रयासों के बलपर बदतर होने से रोकते हुए सुधारों की प्रक्रिया प्रारम्भ हो पाई है और दुनिया उसके प्रारंभिक रुझान कुछ समय से देख रही है। परन्तु मोदी-3 के लिए भी आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियाँ कम नहीं हैं। बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में मोदी -3 सरकार को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का लक्ष्य साधने के क्रम में देश की कुछ कठिन चुनौतियों के स्थायी और ठोस समाधान की कर आगे बढ़ना होगा। आज इन्हीं चुनौतियों और समाधानों की चर्चा इस लेख में की जा रही है।

करंट अकाउंट डेफिसिट यानी चालू खाते का घाटाः अंतरराष्ट्रीय बाजार में हर देश अपने आयात एवं निर्यात का एक खाता रखता है। यह वैसा ही है जैसे हमारा बचत खाता सभी निकासी एवं जमा पैसों का अलग अलग हिसाब रखता है। सभी आयात एवं निर्यात संबंधी गणना को बैलेंस आफ पेमेंट के नाम से जाना जाता है। इसमें दो तरह के खाता होते हैं पहले कैपिटल अकाउंट और दूसरा करंट अकाउंट के नाम से जाना जाता है। कैपिटल अकाउंट में वह सभी ट्रांजैक्शन दर्ज होते हैं जिससे किसी दीर्घकालिक एसेट या लायबिलिटी से संबंध रखते हैं। उदाहरण स्वरूप कोई कर्ज लेना एक लायबिलिटी है तो कोई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एसेट का निर्माण करता है। इसके इतर करंट अकाउंट वह खाता है जहां दर्ज किए गए ट्रांजैक्शन किसी एसेट अथवा लायबिलिटी से संबंध नहीं रखते। यह करंट अकाउंट पुनः दो भागों में विभाजित हो जाता है। पहला ट्रेड अकाउंट जिसमें सभी वस्तुएं जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, कृषि संबंधित उत्पाद आदि तथा दूसरे इनविजिबल अकाउंट में सेवाएं, लाभांश, दान, उपहार, ब्याज आदि को दर्ज किया जाता है। यदि करंट अकाउंट के इन्हीं ट्रेड एवं इनविजिबल खातों का कुल योग ऋणात्मक होता है तो इसे करंट अकाउंट डेफिसिट बोला जाता है। यही करंट अकाउंट डेफिसिट भारत की लगभग एक स्थाई समस्या बन चुकी है। आसान शब्दों में भारत लंबे समय से निर्यात कम करता है और आयात अधिक करता है। हम विश्व मंच पर एक आयात प्रधान देश बन कर रह गए हैं। यद्यपि केंद्र की मोदी सरकार इस बात के लिए प्रशंसा की पात्र है कि इस क्षेत्र को गंभीरता से लेते हुए अपने दूरगामी लक्ष्य पर जिस प्रकार से कार्य कर रही है उसी का परिणाम है कि हमारा करंट अकाउंट डिफिसिट कम होने की और अग्रसर है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के हिसाब से भारत का चालू खाता घाटा अप्रैल-सितंबर 2022 के 48.8 बिलियन डॉलर के मुकाबले आधे से अधिक घटकर वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 17.5 बिलियन डॉलर का हो गया। परंतु इस घाटे से उबर कर सरप्लस अकॉउंट बनने में अभी समय लगेगा। वित्त वर्ष 2021-22 के आंकड़ों पर ध्यान दें तो भारत का ट्रेड अकाउंट 189.45 बिलियन के घाटे के साथ बंद हुआ जबकि इनविजिबल अकाउंट में 150.7 बिलियन डॉलर का सरप्लस मौजूद था। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि भारत सेवाओं के क्षेत्र में तो मजबूत स्थिति में है परंतु वस्तुओं के निर्यात में स्थिति चिंताजनक है। अब प्रश्न यह जाता है कि आखिर चालू खाता घाटा देश के विकास के लिए इतना खतरनाक क्यों है? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी देश को व्यापार करने के लिए विदेशी या अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता की मुद्रा की आवश्यकता होती है। यदि चालू खाता सदैव घाटे में रहेगा तो अपना व्यापार बनाए रखने के लिए उसे देश को हर साल अपने फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का उपयोग करना पड़ेगा और इस तरह से उसे देश का यह रिजर्व बेहद कमजोर हो जाएगा। और अंततः ऐसे देश दिवालिया घोषित हो जाते हैं। भारत के साथ अच्छी बात यह है कि साल दर साल हमारे चालू खाते का घाटा देश के कैपिटल अकाउंट के सरप्लस से बैलेंस हो जाता है और इस तरह से भारत का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व लगातार मजबूत होता रहता है। परंतु कैपिटल अकाउंट को मजबूती विदेशी निवेश तथा कर्ज से मिलती है और इसलिए बहुत हद तक इस पर वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक स्थितियों का नियंत्रण होता है। मंदी की चपेट में आते ही किसी देश का कैपिटल अकाउंट सरप्लस खत्म हो सकता है। ऐसी स्थिति में भारत के लिए अत्यंत आवश्यक खनिज तेल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा प्राकृतिक गैस के आयात पर संकट उत्पन्न हो सकता है और इन पर संकट का अर्थ है देश में गंभीर स्थितियां पैदा होना। साथ ही कैपिटल अकाउंट का मूल्यवर्धन होने का अर्थ लाभ, ब्याज एवं डिविडेंड के रूप में पैसा बाहर जाना भी होता है। इसलिए कैपिटल अकाउंट के बढ़ने से विदेशी मुद्रा कोष बढ़ रहा है तो यह है तो इसे पूर्णतया स्वस्थ दृष्टिकोण नहीं माना जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला यह उपकरण भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

करंट अकाउंट डिफिसिट को कम करने के तरीकेः भारत का बड़ा ऊर्जा आयातक होना इस घाटे में बड़ा रोल अदा करता है। आज भारत अपने पूर्ण ऊर्जा आवश्यकताओं का 80% विदेश से आयात करता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की डाटा के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में खनिज तेलों का आयात 4.59 लाख करोड़ का था। वहीं वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 8.99 लाख करोड़ पर पहुंच गया। इस दबाव को कम करने के लिए जरूरी है कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए मोदी सरकार ने साल 2030 तक भारत की समस्त ऊर्जा आवश्यकताओं का 50% नवीकरणीय माध्यमों से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मोदी सरकार देश में विद्युत चलित गाड़ियों को बढ़ावा दे रही है, सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा आधारित अवसंरचनाओं पर बड़ा निवेश किया जा रहा है। साथ ही तात्कालिक परिणाम के लिए खनिज तेलों में एथेनॉल मिश्रण को भी सरकार आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में सरकार द्वारा 10% एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को समय से पहले पूर्ण कर लिया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि साल 2025 तक 20% एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाए। इसके अलावा स्वर्ण के आयात से भी भारत को आर्थिक हानि होती है परंतु भारतीय समाज के परंपराओं में स्वर्ण के महत्व को देखते हुए भारत सरकार आयात के लिए मजबूर होती है। सरकार द्वारा स्वर्ण के आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए सावरेन गोल्ड बांड जैसी योजनाओं को लाया गया है। खाद्य तेलों का आयात भी हमारे लिए आर्थिक घाटे का कारण है और यह भारत के खराब कृषि नीति एवं बाजार के समन्वय में कुप्रबंधन का एक उदाहरण है। भारत सरसों, कपास, चावल, पाम और सोयाबीन का उत्पादन बड़े पैमाने पर करने में सक्षम है जिनसे खाद्य तेल बनाए जाते हैं। परंतु न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं सरकारी खरीद का फोकस सदैव चावल एवं गेहूं तक ही सीमित रहता था। केंद्र की मोदी सरकार इस क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर होने की ओर कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करते हुए उसके सरकारी खरीद का आश्वासन किसानों को दिया गया है। हमारे आयात को बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट्स का भी बड़ा योगदान है। इस क्रम में अपनी आत्मनिर्भरता को तेजी से बढ़ते हुए मोदी सरकार ने उत्पादन आधारित इंसेंटिव योजनाएं लाकर घरेलू बाजारों में निर्माण को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। इन्हीं प्रयासों के फल स्वरुप विश्व प्रसिद्ध मोबाइल कंपनी एप्पल, चीन को छोड़कर भारत में अपने निर्माण इकाइयां स्थापित कर रही है। आर्थिक मोर्चे पर रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने डॉलर पर अपनी निर्भरता को खत्म कर सीधे रुपए में ट्रेड को सुगम बनाने के लिए विशेष vastro खातों की व्यवस्था को प्रारंभ किया है।

असमानता, बेरोजगारी, रोज़गार एवम् कौशल गुणवत्ता की समस्याः वैश्विक परिप्रेक्ष्य के बाद अब हम घरेलू अर्थव्यवस्था की चुनौतियों पर दृष्टि डालें तो सबसे बड़ी समस्या असमानता है। ऑक्सफैम इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत को अत्यधिक आसमान देशों की लिस्ट में रखा गया है। भारत के शीर्ष 10% लोग, देश के 57 प्रतिशत संपदाओं के मालिक हैं। 50% आबादी के पास मात्र 13 प्रतिशत संपदा है। लेकिन इस असमानता की स्थिति की गहराई में जाएं तो इसके कई मूल कारण दिखाई देंगे जैसे बेरोजगारी, रोजगार की गुणवत्ता में कमी तथा कौशल विकास एवं नवाचारों में कमी। इन विषयों को गहराई से समझने के लिए हमें भारतीय आर्थिक विकास नीति को गहराई से समझाना पड़ेगा। भारत ने देश के आजाद होने के बाद एक ऐसे मिले-जुले आर्थिक ढांचे को स्वीकार किया जिसमें सरकार अग्रणी की भूमिका में रही एवं निजी क्षेत्र को बेहद सीमित अधिकार दिए गए। सोशलिज्म के सिद्धांतों पर चलते हुए भारत सरकार आर्थिक योजनाओं के निर्माण के लिए उत्तरदाई थी एवं पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से निर्णय लिया जाता था कि देश के मानव संसाधन को किस क्षेत्र में लगाया जाएगा। देश की आजादी के समय भारत एक कृषि आधारित देश था एवं देश की अधिकतर जनसंख्या खेती-बाड़ी के कामों में लगी रहती थी। तत्कालीन नेहरू सरकार ने विनिर्माण एवं भारी उद्योगों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। इस निर्णय के पीछे पंडित नेहरू का विचार था कि देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए भारी उद्योगों का विकास आवश्यक है। और इस तरह से इस विकास का लाभ ऊपर से नीचे की ओर स्वयं जाएगा। विकास की जी अधोमुखी अवधारणा पर नेहरू जी ने भारत के आर्थिक विकास का स्वप्न देखा उसे वास्तव में सरकार के अधिकारी नियंत्रित कर रहे थे। अंततोगत्वा भ्रष्टाचार एवं लाल फिताशाही के चलते योजना के अनुरूप लाभ कभी अंतिम व्यक्ति तक पहुंच ही नहीं सका। इसी के साथ भारी उद्योग के निर्माण में देश ने इतनी अत्यधिक पूंजी लगाई की शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्र में निवेश के लिए संसाधन बहुत कम बचे।

भारत में कौशल विकास : आजादी के बाद बनी विकास की योजनाओं में इस बात को भुला दिया गया कि एक कृषि आधारित समाज को शिक्षा के द्वारा ही भारी उद्योग आधारित कल कारखानों में नौकरियां मिलेंगी। साथ ही कृषि जिस पर देश की अधिकतर जनता का जीवन निर्भर करता था उसे क्षेत्र को पूरी तरह से इग्नोर कर दिया गया। इसके फल स्वरुप देश के पढ़े लिखे समाज ने उद्योगों में तेजी से नौकरियां तो हथिया लिया परंतु कृषि पर जीवन ज्ञापन करने वाले लोग शिक्षा के अभाव में गरीब के गरीब बने रहे। 1980 90 के दशक में अंत सरकारों को इस भारी गलती का एहसास हुआ और कृषि को अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु बनाने का निर्णय लिया गया। परंतु इस फैसले को क्रियान्वित करने के क्रम में देश लगभग 40 वर्ष पीछे चला गया। साथ ही कृषि पर जीवन यापन करने वाली एक बहुत बड़ी जनता द्वारा सरकार की योजनाओं एवं सुधारो पर से विश्वास भी उठ गया। भारत में कौशल विकास की स्थिति एक बहुत बड़ी समस्या के रूप में स्थापित है। मोदी सरकार के लगातार प्रयासों से आज भारत में एक स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा हुआ है परंतु यदि फिनटेक एवं फार्मास्यूटिकल को छोड़ दिया जाए तो भारतीय नवाचारों के द्वारा कोई ऐसा क्रांतिकारी बदलाव घरेलू मार्केट में नहीं आया है जिससे इंटेल, एप्पल या गूगल जैसी क्रांति खड़ी की जा सके। भारत को नवाचारों की दिशा में अभी बहुत अधिक कार्य करने की जरूरत है। कुल मिलाकर नवाचारों की कमी कौशल विकास की कमी तथा बेरोजगारी एक दूसरे से अंतर संबंधित विषय हैं जिनका स्थाई समाधान शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े निवेश के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। मोदी सरकार के आगामी कार्यकाल में इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव की अपेक्षा है।

अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्चः विश्व बैंक के एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अपनी जीडीपी का 0.66% अपने अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्च करता है जो विश्व औसत 2.63 प्रतिशत से चिंताजनक रूप से बहुत कम है। इजरायल अपने जीडीपी का 5.5% तथा अमेरिका 3.5% अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्च करता है। इन सभी समस्याओं को हल करने का रास्ता औद्योगिक विकास से होकर गुजरता है और इसलिए भारत सरकार चैतन्य होकर इस दिशा में कार्य कर रही है। इसी प्रयासों के क्रम में विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों जैसे एप्पल, लोकहिड मार्टिन, सैमसंग, एअरबस आदि भारत में अपने विनिर्माण इकाई बना रहे हैं। इन सभी के द्वारा भारत में अनुसंधान एवं विकास को गति मिलेगी। साथ ही भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी अपनी शैशव अवस्था से है जो आगामी 10 वर्षों में एक बड़े क्रांति के रूप में विश्व मंच पर दिखाई देगा। वर्तमान में ड्रोन विनिर्माण तथा अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित स्टार्टअप्स को सरकार द्वारा विशेष रूप से प्रमोट किया जा रहा है। परंतु सकारात्मक क्रांति के लिए भारत को अनुसंधान एवं विकास पर अपने जीडीपी का दो प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य बनाना चाहिए। कौशल विकास के माध्यम से जिन नई तकनीकियों पर युवाओं को कुशल बनाने की आवश्यकता है उसमें अभी भी संयोजन की समस्याएं आ रही हैं जैसे ट्रेनिंग संस्थाओं एवं उद्योगों के बीच समन्वय न होने के कारण युवाओं को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। **विश्वीकरण के नकारात्मक पहलूः** वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के कई सकारात्मक पहलू हैं जिनसे 1991 के बाद देश की आर्थिक प्रगति के साथ देशवासी रूबरू हुए। परंतु इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं जिनसे हमें समय-समय पर दो-चार होना पड़ता है। ग्लोबलाइजेशन ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा उछाल तो दिया परंतु इसी वैश्वीकरण के कारण विश्व भर की अर्थव्यवस्थाएं एक दूसरे से जुड़ गई है तथा दुनिया के दूसरे गोलार्ध में भी कोई नकारात्मक आर्थिक गतिविधि दुनिया के सभी देशों को कमोबेश प्रभावित करता है। वर्तमान में जब विश्व के कई देश मंदी की ओर जाते दिखाई दे रहे हैं तो ऐसे भंगुर वैश्विक आर्थिक स्थितियों में यह स्थिरता भारत की आर्थिक गतिविधि के लिए एक शक्तिशाली संकट बन सकता है। वैश्विक स्तर पर एक लंबे समय के बाद आर्थिक मंदी की वापसी हुई है। भारत जैसे विकासशील देशों में सामान्य से उच्च मुद्रा स्फीति एक सामान्य घटना बनी रहती है जिसके अपने नफे नुकसान भी हैं। चिंताजनक बात यह है कि आज अमेरिका एवं यूनाइटेड किंगडम सहित यूरोप के सभी बड़े देशों में मुद्रास्फीति की स्थिति भारत जैसे विकासशील देशों से भी विकराल हो गई है। मुद्रास्फीति महंगाई को आमंत्रित करता है जिससे एक सामान्य व्यक्ति सबसे अधिक प्रभावित होता है। विश्व विकसित देशों की मुद्रा स्थिति के कारण भारत के निर्यात में एक गिरावट दर्ज की गई साथ ही आयत में बढ़ोतरी हो गई है जो चिंताजनक है। इसका सीधा सा अर्थ है कि वैश्वीकरण के इस दौर में भारत के "विश्व का कल्याण हो" की प्रार्थना की प्रासंगिकता कितनी महत्वपूर्ण है। कैसे संपूर्ण विश्व वैश्वीकरण के दौर में एक गांव बन गया है जहां सभी एक दूसरे से प्रभावित हो रहे हैं इसलिए सभी को एक दूसरे के कल्याण की बात सोचनी पड़ेगी। इसी विश्व के कल्याण के अंतर्गत रूस एवं यूक्रेन के युद्ध ने पूरे विश्व की आर्थिक मंदी के दौर में कोढ़ में खाज का काम किया है। अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम ने आर्थिक सुस्ती से निपटने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाया है जिसका प्रभाव भारत में आने वाले विदेशी निवेश पर नकारात्मक रूप से पड़ा है। साथ ही इसका दुष्प्रभाव मौद्रिक विनिमय पर भी पड़ता है और रुपया कमजोर होने लगता है। अभी हाल ही में एक्स एवं फेसबुक जैसी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर भारत में कर्मचारियों की छटनी किया है साथ ही स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी विदेशी निवेश कम प्राप्त हो रहा है। इन सभी जटिल परिस्थितियों में मोदी सरकार के द्वारा बहुत सूझबूझ से कदम रखते हुए "आपदा में अवसर" तथा "वोकल फॉर लोकल" का नारा दिया गया है। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्थितियां से संगरोध करने के लिए अपने घरेलू बाजारों की ओर मुड़ना होगा। वैश्विक बाजारों से आत्मनिर्भरता को कम करना होगा। निवेश के लिए आम जनता के पैसों को बैंक खातों से निकाल कर स्टॉक मार्केट तक लाना होगा जिससे विदेशी निवेशकों पर निर्भरता को निर्णायक रूप से कम किया जा सके। इसी के साथ भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के स्थान पर नई रणनीतिक व्यवस्थाएं स्थापित करनी होगी। 21वीं शताब्दी को एशिया की शताब्दी कहा गया है तो हमें ध्यान रखना चाहिए कि इस एशिया की शताब्दी का नेतृत्व भारत के हाथों में रहे। 75 वर्षों के अंतराल में हमने अपने कॉलोनाइजर को पीछे छोड़ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक नज़ीर कायम किया है। अब हमें तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी करना है।

मेष राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज सफलता मिलने से थकान दूर हो जाएगी। आज आपकी कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे। आज प्रॉपर्टी संबंधी कार्य संपन्न होंगे। इसके साथ घर में भी आध्यात्मिक और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा। आज घर के बड़े बुजुर्गों के मान-सम्मान का विशेष ध्यान रखें। आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा। मां कात्यायनी को फूल अर्पित करें, शुभ समाचार सुनने को मिलेगा।
वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आत्मविश्वास और मनोबल के सहारे आप कोई नई उपलब्धि प्राप्त करेंगे। आज घर में रिश्तेदारों के आगमन से खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आज व्यवसाय संबंधी किसी नए काम को शुरू करने का उचित समय है। अपनी कार्य कुशलता को बढाने के लिए आप नई तकनीकों का सहारा लेंगे। माँ दुर्गा को लौंग अर्पित करें, सेहत अच्छी रहेगी।
मिथुन राशिः आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज अत्यधिक जिम्मेदारियां रहेंगी परंतु आप उचित व्यवस्था बनाकर हल भी निकाल लेंगे। आज संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने से घर में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवारजनों के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम बनेगा। आज मानसिक सुकून बनाए रखने के लिए योगा, मेडिटेशन आदि का सहारा ले। मां दुर्गा को हलवा का भोग लगाएं, रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।
कर्क राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। अनुभवी लोगों से मेल-मिलाप और नई जानकारियां हासिल होंगी। आज क्रोध के कारण परिस्थितियां और अधिक बिगड़ सकती हैं। आज कोई भी परेशानी आने पर शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकालने का प्रयास करेंगे तो सब ठीक होगा। वर्तमान परिस्थितियों में समय के अनुसार खुद में भी बदलाव लाने की जरूरत है।
सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज कई तरह के गतिविधियों में आपका रुझान रहेगा। आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं पर अवश्य विचार कर ले। आज किसी नजदीकी मित्र या रिश्तेदार से किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आज अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहरी गतिविधियों को पूरा करने में ही बीत सकता है।
कन्या राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कार्यप्रणाली बेहतर होगी और किसी काम में उचित सफलता मिलने से उत्साह और अधिक बढ़ेगा। युवाओं और विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने की उत्तम संभावनाएं हैं। समय अनुसार कोई भी निर्णय ले। आज जल्दबाजी और आवेश की वजह से किसी कार्य में समय लग सकता हैं। लवमेट आज किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाएंगे।
तुला राशिः आज नए कार्यों को करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आज कुछ समय आत्म मनन और चिंतन में लगाए। ज्यादा मेहनत की वजह से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, उचित भोजन का ध्यान रखें। आज व्यायाम करें इससें आपके अंदर सकरात्मक ऊर्जा बढ़ेगी। बच्चे आज किसी खिलौने की मांग कर सकते हैं।
वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज सकारात्मक गतिविधियों में खुद को व्यस्त रखेंगे। आज अपने गुस्से को कंट्रोल में रखें और फिजूलखर्चे पर भी नियंत्रण रखें। आज अपनी पूरी ऊर्जा योजनाओं को क्रियान्वित करने में लगाएं। लेकिन अपनी योजनाएं सार्वजनिक ना करें। आज आपका दिन भक्तिमय रहेगा।
धनु राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज कुछ नई उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। इस बेहतरीन समय का उचित सदुपयोग करें। आज उच्च पद पर आसीन व्यक्तियों के साथ आपका समय बीतेगा। इससे आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आज घर की व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए सबको अनुशासित रखना अति आवश्यक है। आज अपने व्यवसाय की गतिविधियों में भी बदलाव करेंगे।
मकर राशिः आज आपकी कई योजनाएँ समय से पूरी हो जायेंगी। आज बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद व कृपा प्राप्त होगी और उनके मार्गदर्शन में आप कोई खास निर्णय लेने में आसानी महसूस करेंगे। आज नकारात्मक प्रवृत्ति के मित्रों की किसी भी सलाह पर विश्वास ना करके अपनी योग्यता पर भरोसा रखें। आज व्यर्थ के खर्चों पर काबू रखना आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी।
कुंभ राशिः आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। आज का दिन परिवार के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा। आज आप अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन पर जरूर अमल करें, निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। आज सब कुछ ठीक रहते हुए भी आपको कहीं ना कहीं खालीपन का एहसास रहेगा। आज सिर्फ सुनी सुनाई और आलोचनात्मक बातों पर ध्यान ना दें और अपनी भावनाओं व क्रोध पर नियंत्रण रखें।
मीन राशिः आज आपके अधूरे कार्य पूरे हो जायेंगे। आज आप बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखें और उनकी समस्याओं को सुने और सुलझाएं, इससे उनकी आत्म निर्भरता बढ़ेगी। आज व्यवसाय में इस प्रतिस्पर्धा के दौर में बहुत मेहनत और सजग रहने की जरूरत है। आज बाहरी लोगों का अपने कार्यस्थल पर हस्तक्षेप ना होने दें। आज कोई भी निर्णय लेने में समय ना लगाएं। व्यापार में धन लाभ की प्राप्ति होगी।

75 साल से चल रहा है गरीबी हटाओ का नारा क्या केवल चुनावी शगूफा बन जाता है !

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सियासी माहौल गरमाने लगा है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश में गरीबी चुनाव का एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। 1952 में हुए पहले आम चुनाव में गरीबी मुद्दा था। 1971 के लोकसभा चुनाव में तो इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा ही दे दिया था। माना जाता है कि यह नारा उनके प्रधान सचिव पीएन हक्सर के दिमाग की उपज थी।अब साल 2024 में जब भारत 18वीं लोकसभा के चुनाव की तैयारी में है, तब भी चुनाव में गरीबी एक मुद्दा है। अंतर यह है कि सत्ताधारी भाजपा इस दावे के साथ इसे मुद्दा बना रही है कि उसके शासन काल में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर नकिले। वपिक्ष तरह-तरह के आंकड़े देकर इस दावे की हवा नकिाल रहा है। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा का प्रचार करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा था । पीएम मोदी ने राहुल पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने घोषणा की है कि एक झटके में देश की गरीबी हटा दूंगा। आखिर ये शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहां छिपा था?पीएम मोदी ने कहा कि 50 साल पहले इनकी दादी ने देश से गरीबी हटाने की घोषणा की थी। 2014 से पहले 10 साल तक इन्होंने रिमोट से सरकार चलाई। अब इनको एक झटके वाला मंत्र मिल गया है। ऐसे दावे करते हैं और हंसी के पात्र बन जाते हैं। दरअसल साल की शुरुआत में नीति आयोग ने दावा किया था कि नौ साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से निकल चुके हैं। पिछले दिनों नीति आयोग के CEO ने HCES के आधार पर दावा किया कि भारत की कुल आबादी में गरीबों का अनुपात पांच फीसद से अधिक नहीं है। इन्हीं आंकड़ों का हवाला देकर सरकार गरीबी कम होने के दावे कर रही है। लेकनि, वशिषेज्ञ इन आंकड़ों तक पहुंचने के रास्ते पर सवाल उठा रहे हैं। जिस सर्वे के आधार पर नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि भारत की कुल आबादी में गरीबों का अनुपात पांच फीसद से अधिक नहीं है, उस सर्वे का मकसद यह पता लगाना होता है कि हर माह लोग कितना खर्च कर रहे हैं। अंग्रेजी में से Monthly Per Capita Expenditure या (MPCE) कहते हैं। अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच आयोजित इस HCES में 8,723 गांवों और 6,115 शहरी क्षेत्रों के 2,61,745 घरों (ग्रामीण क्षेत्रों से 60 फीसद और शहरी क्षेत्रों से 40 फीसद) को शामिल किया गया था।सर्वे से प्राप्त आंकड़ों को चार भागों में बांटकर देखने से पता चलता है कि कुल आबादी के 50 प्रतिशत का प्रति व्यक्ति खर्च 3,094 रुपये (ग्रामीण) और 4,963 रुपये (शहरी) से अधिक नहीं है। सबसे गरीब पांच प्रतिशत लोग तो 1,373 रुपये (ग्रामीण) और 2,001 रुपये (शहरी) प्रति माह में गुजारा कर रहे हैं। दिन के हिसाब से बांट दें तो यह 45 रुपये (ग्रामीण) और 66 रुपये (शहरी) प्रति दिन हो जाएगा। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से पढ़े और मनमोहन सिंह की सरकार में वित्त मंत्री रहे पी. चिदंबरम नीति आयोग के आंकड़ों को पेश करने के तरीके को दुरुस्त नहीं मनाते। चिदंबरम पांच फीसद वाले दावे पर सवाल उठाते हुए लिखते हैं, "अगर यह दावा सच है तो सरकार 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो मुफ्त अनाज क्यों बांटती है?" चदिंबरम का सवाल यह भी है कि क्या नीति आयोग ने इस बात पर कभी गंभीरता से विमर्श किया कि जो लोग ग्रामीण क्षेत्रों में महीने का (खाद्य और गैर-खाद्य पर) लगभग 2,112 रुपए या प्रतिदिन 70 रुपए खर्च करते हैं, वे गरीब नहीं हैं? या शहरी इलाकों में जिन लोगों का मासिक खर्च 3,157 रुपए या प्रतिदिन 100 रुपए है, वे गरीब नहीं हैं? अर्थशास्त्री स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर भी सर्वे करने के तरीकों को सही नहीं मानते। वह टाइम्स ऑफ इंडिया में लिखते हैं कि भारत संदिग्ध डेटा के मामले में एक संपन्न देश है।अय्यर इसका बेहतरीन उदाहरण HCES के डेटा को बताते हैं। वह लिखते हैं कि सर्वे का डेटा और उसका विश्लेषण दोनों त्रुटिपूर्ण है। अय्यर अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला के हवाले से बताते हैं कि 2011-12 से अब तक मात्र दो प्रतिशत लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उनके मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 28.7 से घटकर 27 और शहरी क्षेत्रों में 36.7 से घटकर 31.9 हो गयी है। भल्ला प्रति दिन 70 रुपये कम में जीवन यापन करने वालों को गरीब मानते हैं। अय्यर मानते हैं कि HCES का डेटा कलेक्ट करने का तरीका ही गलत है क्योंकि सर्वे के दौरान लोगों से यह सवाल तो किया जाता है कि उन्होंने अपने खाने, शिक्षा और स्वास्थ्य पर कितना खर्च किया, लेकिन अन्य खर्चों जैसे यात्रा आदि को लेकर सवाल नहीं किया जाता है। साथ ही कई बार लोग सही जानकारी भी नहीं देते। ऐसे में HCES के डेटा से गरीबी या अमीरी का सही तस्वीर नहीं मिल पाती। इस साल की शुरुआत में नीति आयोग ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया था कि पिछले नौ साल में भारत के 24.8 करोड़ गरीबी (Multidimensional Poverty) से बाहर निकल गए हैं। 2013-14 में भारत में गरीबी दर 29.17 थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत हो गई। यानी 17.89 प्रतिशत लोग गरीबी से निकले हैं। गरीबी से निकलने वाले लोगों के आकलन के लिए नीति आयोग ने बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और लाइफस्टाइल जैसे मानदंडों के आधार बनाया था। यह समझ लेना आवश्यक है कि गरीबी मापने के लिए आय के डेटा या व्यय के डेटा का इस्तेमाल किया जाता है। आसान भाषा में कौन कितना गरीब है यह पता लगाने के लिए व्यक्ति की कमाई या उसके खर्च करने की क्षमता का आकलन किया जाता है। हंगर वॉच नेशनल सर्वे के अनुसार दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच लोगों की आय में गिरावट आई है। समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर और हाशिए के वर्गों में खाने-पीने तक का संकट गहराया है।हंगर वॉच के सर्वे में 80 प्रतिशत लोगों ने फूड इनसिक्योरिटी की समस्या को स्वीकार किया है। 25 प्रतिशत ने भोजन में कटौती करने और भूखे पेट सोने की बात कबूल की है। इसके अलावा, प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि महामारी से आई आर्थिक मंदी के कारण वर्ष 2022 में भारत में लगभग 75 मिलियन अधिक लोग गरीबी के दलदल में फंस गए। इस अध्ययन में गरीबों को उन लोगों के रूप में परिभाषित किया गया है जो प्रतिदिन 2 डॉलर (165 रुपये) या उससे कम पर जीवन यापन करते हैं। मौजूदा एनडीए सरकार गरीबी दूर करने के नाम पर कई योजनाएं चल रही है और आगामी चुनाव में उनके नाम वोट मांगने की भी तैयारी है, जिसकी झलक विज्ञापनों और भाषणों में दिखने लगी है।गरीबों को ध्यान में रखकर चलायी जाने वाली केंद्र की मुख्य योजनाओं में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री जन धन योजना को गिना जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कराए जाने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5 – 2019-21) के डेटा पर आधारति एक अध्ययन में अंदाजा लगाया गया है कि भारत में 19.3 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें पिछले 24 घंटों में न तो ठोस आहार ही दिया गया है और न तरल पदार्थ ही दिया गया है। भारत से ज्यादा केवल अफ्रीकी देश गुयाना में ऐसे बच्चों (Zero food children) की संख्या 21.8 प्रतिशत और माली में 20.5 प्रतिशत है। बांग्लादेश में 5.6 प्रतिशत, पाकिस्तान में 9.2 प्रतिशत, कांगो में 7.4 प्रतिशत, नाइजीरिया में 8.8 प्रतिशत और इथोपिया में 14.8 प्रतिशत जीरो फूड चल्ड्रिेन पाए गए। हालांकि, भारत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ये आंकड़े भोजन की कमी के चलते नहीं हैं, बल्कि माताओं द्वारा बच्चों को दूध पिलाने या खाना देने में असमर्थता के चलते आए हो सकते हैं। जिन बच्चों को पिछले 24 घंटों में दूध-पानी या कोई अन्न नहीं दिया गया, उन्हें जीरो फूड चल्ड्रिेन माना गया। यह सर्वे 2010 से 2021 के बीच अलग-अलग समय पर 92 देशों में 6 से 24 महीने के बच्चों के बीच कयिा गया।IMF के मुताबिक, भारत में 2014 से 2023 के बीच प्रत व्यक्ति आय में 67 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि 2004 से 2014 के बीच 145 प्रतिशत बढ़ी थी। एक अंतरराष्ट्रीय रपिोर्ट के मुताबकि आर्थिक समानता के मामले में भी भारत की स्थति अच्छी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

हार्दिक की कप्तानी पर इरफान ने उठाए सवाल

कहा- उन्हें गेंदबाज पर भरोसा नहीं...

मुंबई पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर इरफान पठान ने स्ढ्ढ 1ह्य ष्टस्च मैच के बाद हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल उठाए हैं। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने गेंदबाज आकाश मधवाल पर भरोसा नहीं है। बता दें, चेन्नई सुपर किंग्स ने इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए 206 रन बोर्ड पर लगाए थे, सीएसके को 200 के पार पहुंचाने में महेंद्र सिंह धोनी का अहम रोल रहा था जिन्होंने अंतिम 4 गेंदों पर 20 रन बटोरे थे। धोनी ने आखिर ओवर में हार्दिक पांड्या के खिलाफ यह रन बटोरे थे। इरफान पठान ने हार्दिक पांड्या के इसी ओवर को लेकर सवाल उठाए हैं। इरफान पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, हार्दिक शुरू से ही एक कप्तान के रूप में अच्छे नहीं रहे हैं। सीएसके के खिलाफ मैच में आकाश मधवाल को आखिरी ओवर फेंकना था और वह बॉलिंग मार्क तक पहुंच गए थे।

पलक ने शूटिंग में जीता 20वां ओलिंपिक कोटा

- ISSF फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नईदिल्ली, एजेंसी। पलक ने रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में ढ्ढरूस्स्न फाइनल ओलिंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ ही भारत के लिए 20वां पेरिस 2024 ओलिंपिक कोटा हासिल किया। 18 साल की पलक ने 217.6 का स्कोर किया। वहीं आर्मेनिया की एल्मिरा करापेटियन ने 240.7 के स्कोर के साथ गोल्ड जबकि थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा ने 240.5 के साथ सिल्वर मेडल जीता। वहीं भारतीय शूटर सान्याम 176.7 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

गोल्ड जीतने वाली शूटर ने पहले ही हासिल कर लिया था ओलिंपिक कोटा

फाइनल में पलक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वहीं थाईलैंड की कामोनलाक साएंचा और हंगरी की मेजर वेरोनिका ने ओलिंपिक कोटा के लिए हो रही प्रतियोगिता में शुरुआत में ही अच्छी बढ़त बना ली। हालांकि, दबाव के बाद भी पलक ने वापसी करते हुए एलिमिनेशन स्टेज के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। वेरोनिका को पांचवें राउंड में हार का सामना करना पड़ा और उन्हें चौथे स्थान से संतुष्ट होना पड़ा।

12 साल बाद

रोहित ने लगाया शतक

फिर भी चेहरे पर उदासी, जश्न तक नहीं मना सके हिटमैन

आईपीएल में रोहित शर्मा के बल्ले से 12 साल बाद शतकीय पारी आई, लेकिन इसके बावजूद टीम को जीत नहीं मिल पाई। मैच में सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 206 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में रोहित के शतक बाद भी मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन ही बना पाई।

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 29वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के धाकड़ खिलाड़ी रोहित शर्मा ने नाबाद 105 रनों की पारी खेली। आईपीएल में रोहित शर्मा के बल्ले से 12 साल बाद शतकीय पारी आई, लेकिन इसके बावजूद टीम को जीत नहीं मिल पाई। मैच में सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 206 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में रोहित के शतक बाद भी मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन ही बना पाई। रोहित शर्मा आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए जिन्होंने नाबाद शतक तो लगाया, लेकिन उनकी टीम मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई। रोहित अपनी शतकीय पारी में 63 गेंद में 105 रन बनाए, जिसमें उन्होंने 11 चौके और 5 छक्के भी लगाए। रोहित के अलावा सीएसके के खिलाफ और कोई भी खिलाड़ी कमाल नहीं दिखा सके।

सीएसके के लिए पाथिराना ने गेंदबाजी में किया कमाल

सीएसके खिलाफ मैच में जब मुंबई की टीम 207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी तो रोहित शर्मा ने ईशान किशन के साथ मिलकर टीम को दमदार शुरुआत दिलाई, लेकिन ईशान किशन के आउट होने के साथ ही मुंबई की टीम पूरी तरह से लड़खड़ा गई। खास तौर से तेज गेंदबाज मथिसा पाथीराना के खिलाफ तो मुंबई के बल्लेबाजों की हालत बहुत ही खराब हो गई। मैच में पाथिराना ने दमदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 28 रन देकर चार विकेट हासिल किए। पाथिराना सीएसके के लिए आईपीएएल में चार विकेट झटकने वाले सबसे यंगेस्ट प्लेयर भी बने। पाथिराना ने यह कारनामा 21 साल 118 दिन की उम्र में किया।

17वें सीजन में मुंबई को मिली चौथी हार

हार्दिक पंड्या की कप्तानी में 17वें सीजन में खेल रही मुंबई इंडियंस को चौथी हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती तीन मैचों में मिली हार के बाद मुंबई ने दिल्ली और आरसीबी के खिलाफ जीत हासिल कर दमदार वापसी की थी, लेकिन एल क्लासिको मुकाबले में उसे एक बार फिर से हार का मुंह देखना पड़ा।

रोहित के शतक पर भारी पड़े माही के 20 रन...

माही के 3 छक्कों से थर्रा गया वानखेड़े

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर ली 2024 सीजन में रविवार (14 अप्रैल) चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच धांसू मैच खेला गया. इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के 20 रनों से रोहित शर्मा का नाबाद शतक हार गया.

मैच में धोनी ने मैदान में उतरते ही तूफानी अंदाज में 3 करारे छक्के जड़े, जिससे पूरा वानखेड़े स्टेडियम थर्रा गया. धोनी ने 4 गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाए और यही रन मैच में जीत-हार का अंतर साबित हुए. चेन्नई ने 20 रनों से ही मुंबई को करारी शिकस्त दी. रोहित 63 गेंदों पर खेली नाबाद 105 रनों की शतकीय पारी

यह जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि मुकाबले में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 63 गेंदों पर 105 रनों की शतकीय पारी खेलकर नाबाद रहे थे, लेकिन वो टीम को मैच नहीं जिता सके. रोहित दूसरे छोर पर खड़े होकर अपनी टीम को हारते हुए देखते रहे. दरअसल, यह कहानी शुरू होती है चेन्नई की पारी से. मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चेन्नई टीम ने 19.2 ओवर में 186 रन बना दिए थे.

पारी की सिर्फ 4 गेंद बची थीं और धोनी नए बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर आए थे. यह आखिरी ओवर मुंबई टीम के कप्तान और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कर रहे थे. धोनी के लगातार 3 छक्कों से थर्रा गया वानखेड़े स्टेडियम

धोनी ने मैदान में आते ही लगातार 3 छक्के जमा दिए और स्कोर 200 के पार पहुंचाया. फिर आखिरी बॉल पर धोनी ने 2 रन लिए. इस तरह माही ने अपनी पारी में 4 गेंदों पर 20 रन बनाए. यही मैच का असली जीत का अंतर साबित हुए, क्योंकि मुंबई ने भी 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बना दिए थे. यदि धोनी के यह 20 रन नहीं आते तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था, क्योंकि रोहित शतक लगाकार नाबाद ही मैदान से लौटे हैं.

मगर धोनी ने जब यह 3 छक्के लगाए, तब पूरा वानखेड़े स्टेडियम झूम उठा. फैन्स चाहे चेन्नई के हों या मुंबई के... लगभग सभी ने माही के तीन छक्कों का जमकर जश्न मनाया. धोनी के बाद पथिराना का जलवा... 4 विकेट लेकर मैच पलटा

मैच में चेन्नई ने 207 रनों का टारगेट सेट किया, जिसके जवाब में मुंबई की टीम 6 विकेट गंवाकर 186 रन ही बना सकी. 105 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले हिटमैन एक छोर पर खड़े रहे, लेकिन दूसरी ओर से कोई भी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका. दूसरी ओर चेन्नई टीम के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने 4 विकेट लेकर पूरी बाजी ही पलट दी. पथिराना ने ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और रोमारियो शेफर्ड को अपना शिकार बनाया.

गायकवाड़ और शिवम ने जड़ी ताबड़तोड़ फिफ्टी

मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी. उन्होंने 8 रनों पर पहला विकेट गंवा दिया. ओपनिंग आए अजिंक्य रहाणे 5 रन बनाकर कैच आउट हुए. मगर उसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला और 33 गेंदों पर फिफ्टी जमाई. इसके बाद शिवम दुबे ने 28 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी. गायकवाड़ ने मैच में 40 गेंदों पर 69 रनों की पारी खेली. जबकि शिवम दुबे ने 38 गेंदों पर नाबाद 66 रन जड़ दिए. इसके बदौलत चेन्नई टीम ने 4 विकेट गंवाकर 206 रन बनाए. दूसरी ओर मुंबई टीम का कोई भी गेंदबाज कमाल नहीं दिखा सका. हार्दिक पंड्या ने 2 विकेट लिए. जबकि तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी और स्पिनर श्रेयस गोपाल ने 1-1 विकेट अपने नाम किया.

व्यापार

अडानी के शेयर की बदौलत एलआईसी की चांदी, 61 हजार करोड़ से ज्यादा का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अडानी समूह की कंपनियों में किए गए अपने निवेश वैल्यू में 59 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से समूह के शेयरों के प्रभावित होने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अडानी समूह की सात कंपनियों में एलआईसी का कुल निवेश 31 मार्च, 2023 को 38,471 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 61,210 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 22,378 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी के शेयरों में हेराफेरी के आरोपों के बाद बीमा कंपनी को भी समूह में निवेश करने के अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अडानी ने रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया था। राजनीतिक दबाव का सामना करते हुए, एलआईसी ने रणनीतिक रूप से समूह की दो प्रमुख कंपनियों - अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड और अडानी एंटरप्राइजेज - में अपना निवेश कम कर दिया था। इन दो कंपनियों के शेयरों में क्रमशः 83 प्रतिशत और 68.4 प्रतिशत की तेजी हुई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, निवेश घटाने के बावजूद एलआईसी को वित्त वर्ष 2023-24 में अडानी समूह में किए गए निवेश पर 59 प्रतिशत का लाभ हुआ।

बाजार में हाहाकार, लेकिन इस शेयर में तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में हाहाकार है, लेकिन एस्टर डीएम हेल्थकेयर के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। एस्टर डीएम के शेयर सोमवार को 13 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 558.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने सोमवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। एस्टर डीएम हेल्थकेयर के शेयर शुक्रवार को 487.95 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों में यह तेजी स्पेशल डिविडेंड के ऐलान की वजह से आई है। एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने निवेशकों को हर शेयर पर 118 रुपये का स्पेशल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। 23 अप्रैल है स्पेशल डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने 118 रुपये स्पेशल डिविडेंड देने के लिए 23 अप्रैल 2024 की रिकॉर्ड डेट फिक्स की है। स्पेशल डिविडेंड अनाउंसमेंट की तारीख से 30 दिन के भीतर कंपनी इसका भुगतान निवेशकों को करेगी। एस्टर डीएम ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि कंपनी के बोर्ड ने जीसीसी बिजनेस की सेल और एफिनिटी होल्डिंग्स की तरफ से जारी रिडीमबल प्रेफरेंस शेयरों को भुनाने से मिली रकम के कारण प्रत्येक शेयर 118 रुपये का स्पेशल डिविडेंड मंजूर किया है। एस्टर डीएम हेल्थकेयर के शेयरों में पिछले एक साल में 120 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 17 अप्रैल 2023 को 250.10 रुपये पर थे। एस्टर डीएम हेल्थकेयर के शेयर 15 अप्रैल 2024 को 558.30 रुपये पर पहुंच गए हैं।

वहीं, पिछले 6 महीने में एस्टर डीएम के शेयरों में 65 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 336.20 रुपये से बढ़कर 558 रुपये के पार पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 558.30 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 238.90 रुपये है। कंपनी के शेयरों में पिछले एक महीने में 27 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है।

पिता ने 500 रुपये कर्ज लेकर खोली थी मिठाई की दुकान, बेटे ने बना दी देश की सबसे बड़ी प्राइवेट यूनिवर्सिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी यह देश की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटीज में से एक है। इसमें देश-विदेश के करीब 35,000 बच्चे पढ़ते हैं। जालंधर में इस यूनिवर्सिटी का कैंपस 600 एकड़ में फैला है। त्नष्ट से मान्यता प्राप्त इस यूनिवर्सिटी में डिप्लोमा और ग्रेजुएशन से लेकर डॉक्टरेट तक 200 से ज्यादा कोर्स संचालित होते हैं। जब अशोक कुमार मित्तल ने इस यूनिवर्सिटी की शुरुआत की थी तो कुछ लोगों ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा था कि लड्डू बेचने वाले अब डिग्री बांटेंगे। आज इस विश्वविद्यालय की अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ब्राजील, चीन, स्पेन और पोलैंड की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज के साथ पार्टनरशिप है। इसे बेस्ट प्राइवेट यूनिवर्सिटी का अवॉर्ड भी मिल चुका है। अशोक कुमार मित्तल पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्य सभा के सदस्य भी हैं।

अशोक कुमार मित्तल के के पिता बलदेव राज मित्तल ने साल 1961 में अपने एक दोस्त से 500 रुपये कर्ज लेकर जालंधर में लवली स्वीट्स नाम से मिठाई की एक दुकान खोली। उस समय पंजाब में मोटी बूंदी वाली लड्डू का प्रचलन था। बलदेव राज ने मोतीचूर के लड्डू बनाए और यह हिट हो गया। अशोक मित्तल के मुताबिक उनकी दुकान की पहचान यह थी कि वहां साफ-सुथरी और ढकी हुई मिठाइयां मिलती थी। उनकी दुकान की लोकप्रियता बढ़ने लगी और साल 1969 आते-आते उन्होंने शहर में तीन दुकानें खोल

लीं। आज जालंधर और उसके आसपास के इलाकों में मित्तल परिवार के दस से ज्यादा स्वीट स्टोर हैं। साथ ही परिवार ने बेकरी का काम भी शुरू किया है।

मित्तल की शुरुआत

अशोक मित्तल ने अमृतसर की गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी से लॉ में ग्रेजुएशन करने के बाद ने अपने फैमिली बिजनस को जॉइन किया। पिता से बिजनस के गुर सीखे। सबसे बड़ी सीख यही थी कि डर के आगे जीत है। यानी किसी भी बिजनस में उतरो तो उसमें डूब जाओ। अशोक मित्तल ने जब साल 1991 में बजाज स्कूटर की डीलरशिप के लिए अप्लाई किया तो बजाज ने उनकी एप्लिकेशन खारिज कर दी थी। बजाज का कहना था कि उनकी हालत इतनी भी खराब नहीं हुई है कि लड्डू बेचने वालों को अपनी डीलरशिप दें। लेकिन जब बजाज वाले जालंधर आए और उन्हें मित्तल की कारोबारी क्षमता का पता चला तो उन्होंने डीलरशिप दे दी।

इसके बाद परिवार को 1996 में मारुति की डीलरशिप भी मिली। आज जालंधर और उसके आसपास लवली ऑटो के 25 से ज्यादा स्टोर हैं। इसके बाद आई लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का नंबर। बिजनस चल निकलने के बाद परिवार ने समाज की बेहतरी का लक्ष्य लेकर इस यूनिवर्सिटी की स्थापना की। उस समय पंजाब में कोई प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी नहीं थी। साल 1999 में उन्होंने अपना संस्थान खोला और इसे नाम दिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज। इसे पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से रजिस्टर्ड कराया गया।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी

मित्तल ने 2003 में यूनिवर्सिटी का दर्जा पाने के लिए पंजाब सरकार के पास अप्लाई किया और 2005 में इसे यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल गया। इसे नाम दिया गया लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी। यूनिवर्सिटी ने 2006 में पहला सेशन शुरू हुआ। अभी इसमें दुनिया के 50 से अधिक देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इसमें कुल करीब 35 हजार छात्र हैं। यूनिवर्सिटी का कैंपस 600 एकड़ के इलाके में फैला है और इसमें 3,500 से ज्यादा एकेडमिक स्टाफ है।

एपल से छिनी बादशाहत, सेमसंग बनी मोबाइल शिपमेंट में दुनिया की नंबर वन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी एपल से दुनिया नंबर वन मोबइल कंपनी होने का ताज छिन गया है। 2024 की पहली तिमाही में एपल के स्मार्टफोन शिपमेंट में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। रिसर्च फर्म आईडीसी की रिपोर्ट में जानकारी दी गई। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच वैश्विक स्तर पर मोबाइल का शिपमेंट 7.8 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ हो गया है। वहीं, कोरियाई कंपनी सैमसंग का मार्केट शेयर इसमें 20.8 प्रतिशत का रहा है, जो कि एपल से ज्यादा है।

आईफोन की बिक्री में गिरावट आई

एपल के आईफोन की बिक्री में दिसंबर तिमाही के जोरदार प्रदर्शन के बाद गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सैमसंग को पछाड़ कर एपल दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी बन गई थी लेकिन बीती तिमाही में कंपनी 17.3 प्रतिशत के मार्केट शेयर के बाद दोबारा से दूसरे नंबर पर आ गई है।

तीसरे नंबर पर चीनी कंपनी

चीनी मोबाइल ब्रांड शाओमी 2024 की पहली तिमाही में 14.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। वहीं, अन्य चीनी ब्रांड हुआवेई जैसे चीनी ब्रांडों के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है सैमसंग की ओर से साल की शुरुआत में अपना नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन लाइनअप - गैलेक्सी एस 24 सीरीज को लॉन्च किया था। इस अवधि के दौरान 60 मिलियन से अधिक फोन शिप किए हैं। डस बीच एप्पल ने 50.1 मिलियन आईफोन की शिपिंग की, जो पिछले साल की समान अवधि की 55.4 मिलियन यूनिट से कम है।

कमल हासन की ठग लाइफ में दुलकर सलमान की जगह अभिनेता सिम्बु के नाम पर अटकलें

विक्रम की सफलता के बाद फैंस को कमल हासन की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। अभिनेता के पास इस समय कई बड़े प्रोजेक्ट हैं, जिनमें वे अदाकारी का जादू दिखाते नजर आने वाले हैं। इंडियन 2 और कल्कि 2898 एडी के अलावा उनके पास ठग लाइफ नाम की भी फिल्म है। हाल ही में इस फिल्म का एक पोस्टर जारी किया गया था, जिसे देखने के बाद फैंस की उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई थी। फिल्म के निर्देशन की कमान मणिरत्नम के हाथों में है, जिसकी वजह से दर्शकों को उम्मीदें काफी ज्यादा बढ़ गई हैं। तीन दशकों के बाद इस फिल्म के जरिए कमल हासन और मणिरत्नम एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी, लेकिन तब से किसी न किसी वजह से फिल्म की शूटिंग में रुकावट आ रही है।

फिलहाल, कमल हासन की राजनीतिक प्रतिबद्धताओं की वजह से प्रोडक्शन के काम में देरी हो रही है। इसी वजह से दुलकर सलमान और जयम रवि पहले ही फिल्म से खुद को अलग कर चुके हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बड़े बजट की फिल्म में दुलकर सलमान की जगह लेने के लिए अभिनेता सिम्बु पूरी तरह से तैयार हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने लुक टेस्ट पूरा कर लिया है और बहुत जल्द वे सेट पर अन्य कलाकारों के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए शामिल होने वाले हैं। इसको लेकर जल्द ही निर्माताओं की ओर से एक आधिकारिक एलान भी किया जा सकता है। ठग लाइफ का निर्माण राज कमल इंटरनेशनल फिल्म्स और मद्रास टॉकीज के बैनर तले कमल हासन, मणिरत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत कर रहे हैं। उदयनिधि स्टालिन इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता हैं। फिल्म में एआर रहमान का संगीत लोगों को सुनने को मिलेगा। ठग लाइफ में तृषा कृष्णन जोजू जॉर्ज और गौतम कार्तिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

प्राची देसाई कैसे चुनती हैं किरदार

करियर की शुरुआत में मना किए कई मुश्किल रोल

बॉलीवुड अभिनेत्री प्राची देसाई और मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म साइलेंस 2- द नाइट आउल बार शूटआउट को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दर्शकों का इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, दोनों सितारे इन दिनों फिल्म के प्रचार में जुटे हुए हैं। इस फिल्म का प्रीमियर 16 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होगा। फिल्म की रिलीज से पहले प्राची और मनोज ने अमर उजाला के खास कार्यक्रम शुक्ल पक्ष में बातचीत की। इस दौरान प्राची ने अपने किरदार के चुनाव को लेकर बात की।

प्राची देसाई ने साइलेंस 2- द नाइट आउल बार शूटआउट में इंस्पेक्टर संजना का किरदार निभाया है। फिल्म में मनोज और प्राची का कोई लव एंगल नहीं दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म में मजबूत महिला का किरदार निभाया है। प्राची ने इसपर बात करते हुए बताया कि बचपन से मैंने अपनी मां और दादी को देखा है, वो एक टीचर थीं, शायद उसी का एक रिफ्लेक्शन है, जो मैं ये किरदार चुन पा रही हूं। मुझे लगता है कि किरदार अगर थोड़ा अलग हो, तो मुझे अट्रैक्ट करता है, यही संजना के रोल के साथ हुआ।

ऑडियन्स बनाए रखने के लिए पंचलाइन कितनी जरूरी

फिल्म के पहले पार्ट में प्राची के कई जबर्दस्त सीन हैं। इस दौरान उनकी कुछ पंचलाइन भी हैं। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म के बीच में लाइट मोमेंट लाने होते हैं। इन डायलॉग को बोलने में काफी प्रॉब्लम होती है। इसपर अभिनेत्री ने कहा कि एक्सपीरियंस कहता है, हमने बड़े होते हुए जो फिल्में देखीं, उनकी कुछ-कुछ लाइनें हमेशा याद रहती हैं, जैसे अंदाज अपना-अपना हो या बहुत सी ऐसी फिल्में हैं। दिल चाहता है की कितनी सारी लाइनें हैं। वो मेरी एक फेवरेट फिल्म थी, तो ऑडियन्स को कनेक्ट करने के लिए ये बहुत जरूरी होती हैं। मेरे लिए जो इस फिल्म के किरदार हैं, वो मुझे आज भी याद हैं। उसका क्रेडिट उतना ही राइटर्स को जाता है। उन्हीं की वजह से ऑडियन्स के साथ कनेक्शन बन जाता है और वो कभी-कभी बस एक लाइन से होता है।

कैसी होती है इंस्पेक्टर की रियल लाइफ

साइलेंस में हम इन्वेस्टिगेशन कर रहे थे। मगर एक सीन में उन्होंने हमें पर्सनल स्पेस में देखा कि ये हमेशा पुलिस स्टेशन में अटेंशन में थोड़े ही नहीं खड़े होते हैं, तो इनकी लाइफ में क्या होता है और इनका इक्वेशन क्या होता है। तो इन्वेस्टिगेशन कितना ही गंभीर हो, लेकिन रियल लाइफ में ही ऐसा ही होता है, जो इंसान मजाकिया है, जैसे साहिल हैं, वो रियल लाइफ में भी ऐसे ही हैं, जैसे सीन में हैं। वो कई बार मनोज सर को हंसा देते थे।

करियर की शुरुआत में मना किए चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी शो कसम से की बानी के किरदार से अपने करियर की शुरुआत करने वालीं प्राची देसाई ने अपने करियर में कई अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने बताया, करियर के बहुत शुरुआत में शायद कुछ रोल थे, जो मैं आईडेंटिफाई नहीं कर पाई थी कि कितना अच्छा होता, अगर ये रोल किया होता। मगर वो मैच्योरिटी और एक्सपीरियंस की भी बात है, तो तब ऐसा हुआ था। उसके बाद जैसे समझ आई तो कोशिश बस यही था कि खुद को इंटरेस्टिड कैसे रहें और ऑडियन्स को भी इंटरेस्टिड कैसे रखें। क्योंकि उस दौर में बात यही थी कि अगर आपको एक रोल में किसी ने पसंद किया था, तो वहीं ऑफर्स आपको आते थे।

जान्हवी कपूर की उलझ की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा!

अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों अपने साउथ डेब्यू की तैयारी कर रही हैं। इसके साथ ही वे राम चरण के साथ आरसी 16 की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेत्री की नई बॉलीवुड फिल्म पर बड़ा अपडेट सामने आ चुका है। जान्हवी बॉलीवुड फिल्म उलझ में आईएफएस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग 11 सितंबर, 2023 को खत्म हो चुकी है। बहुप्रतीक्षित राजनीतिक थ्रिलर उलझ के पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। वहीं अब फिल्म की रिलीज को लेकर जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जंगली पिक्चर्स के बैनर तले उलझ के निर्माता 5 जुलाई, 2024 को फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म के निर्माण से जुड़े एक अंदरूनी सूत्र ने का दावा है कि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा होने के करीब है। जंगली पिक्चर्स की टीम 5 जुलाई, 2024 को अपनी राजनीतिक थ्रिलर लाने का लक्ष्य बना रही है और आधिकारिक घोषणा नजदीक है। फिल्म की टीम भी इसकी रिलीज के लिए काफी उत्सुक है, क्योंकि वे भारतीय सिनेमा के दर्शकों के लिए एक नई शैली पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उलझ के अलावा जान्हवी कपूर की अगले तीन महीनों में एक और फिल्म रिलीज होगी, वह है शरण शर्मा द्वारा निर्देशित मिस्टर एंड मिसेज माही। रिपोर्ट्स के अनुसार, मिस्टर एंड मिसेज माही की तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। वहीं, सुधांशु सरिया के निर्देशन में बनी उलझ के कलाकारों की बात करें तो फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, आदिल हुसैन, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा था कि मैंने इस अनुभव के माध्यम से बहुत कुछ सीखा है, मैं हर दिन उठती हूं और फिल्म में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को, हर चीज के लिए अपना दिल और आत्मा देते हुए देखकर बहुत प्रेरित महसूस करती हूं।

फिल्म चिट्टा के आलोचकों पर सिद्धार्थ का कटाक्ष

साउथ सिनेमा के चर्चित सितारे सिद्धार्थ एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने अपनी 2023 की फिल्म चिट्टा के बारे में बात करते हुए रणबीर कपूर की एनिमल पर कटाक्ष किया है। हालांकि, उन्होंने फिल्म का नाम नहीं लिया लेकिन उन्होंने इसके तमिल संस्करण मिरुगम का इस्तेमाल किया। अभिनेता ने इसके जरिए उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उनकी फिल्म चिट्टा परेशान करने वाली लगी। अनजान लोगों के लिए, फिल्म चिट्टा ने बाल शोषण पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। सिद्धार्थ, जो गंभीर मुद्दों पर अपनी निर्भीक और ईमानदार राय के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने रणबीर कपूर की एनिमल और उन लोगों पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया, जिन्हें चिट्टा परेशान करने वाली लगी। एक कार्यक्रम में अभिनेता ने कहा, किसी भी महिला ने मुझसे या अरुण (चिट्टा के निर्देशक) से कभी संपर्क नहीं किया और हमें नहीं बताया कि वे फिल्म नहीं देख सकते या यह परेशान करने वाली है। सिद्धार्थ ने अपनी बात में आगे जोड़ा, हालांकि, कई पुरुषों ने हमारे सामने यह स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि वे इस तरह की फिल्में नहीं देखेंगे। लेकिन, वे मिरुगम (अंग्रेजी में अर्थ एनिमल) नामक फिल्म देख सकते हैं, लेकिन मेरी फिल्म उनके लिए बहुत परेशान करने वाली थी। यह अशांति नहीं, शर्म और अपराधबोध है। यह ठीक है, यह जल्द ही बदल जाएगा। सितंबर 2023 में, चिट्टा की रिलीज के लगभग एक सप्ताह बाद चित्रा नामक तेलुगु संस्करण रिलीज होने के लिए तैयार था। एक सम्मेलन में सिद्धार्थ ने कहा कि तमिलनाडु और केरल के शीर्ष वितरकों, रेड जाइंट मूवीज और श्री गोकुलम सिनेमाज ने इसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म बताया।

बॉलीवुड में विश्वसनीयता को फिर से परिभाषित कर रहे हैं राजकुमार राव

ऐसे उद्योग में जहां प्रतिभा अक्सर ग्लैमर के आगे पीछे रह जाती है, अभिनेता राजकुमार राव विश्वसनीयता के प्रतीक बनकर उभरे हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में एक बहुमुखी अभिनेता होने का मतलब फिर से परिभाषित किया है। अपने नाम के साथ समीक्षकों द्वारा प्रशंसित प्रदर्शनों की एक सीरीज के साथ राव ने, विभिन्न शैलियों और पात्रों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, अपने लिए एक जगह बनाई है। काई पो चे! में उनकी ब्रेकआउट भूमिका से लेकर शाहिद, न्यूटन और ट्रैप्ड जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के दम पर, राव ने लगातार ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसे न केवल आलोचकों ने सराहा है, बल्कि दर्शकों ने भी पसंद किया है, जिससे वह इंडस्ट्री में सबसे विश्वसनीय और दमदार कलाकार बन गए हैं।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 बीजेपी मेनिफेस्टोः यूसीसी का वादा, बुजुर्गों को मुफ्त इलाज;सलमान के घर पर फायरिंग;एअर इंडिया ने इजराइल की उड़ानें रद्द कीं
2 लोकसभा चुनाव-2024ःमैसुर पीएम बोलेःइंडी अलायंस सनातन खत्म करना चाहता है,जब तक मोदी है,तब तक नफरती ताकतें सफल नहीं होंगी
3 इतने सालों तक कहां छिपा था शाही जादूगर,गरीबी हटाने पर राहुल गांधी ने दिया बयान तो पीएम मोदी ने ली चुटकी
4 पीएम मोदी ने कांग्रेस को बताया टुकड़े टुकड़े गैंग का सुल्तान,देश को बांटने और तोड़ने का लगाया आरोप
5 मैसूर में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा का आभार व्यक्त किया,साथ ही कहा कि वह भारत की राजनीति में सबसे वरिष्ठ राजनेता हैं,मैं उनका आशीर्वाद पाकर भाग्यशाली हूं
6 कमल का बटन इतनी जोर से दबाएं कि झटके इटली तक महसूस हों,अमित शाह का सोनिया गांधी पर हमला
7 किसने मां का दूध पिया है जो पीएम मोदी को गिरफ्तार किए जाने पर,बांका में आरजेडी पर बरसे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह
8 पीएम मोदी का दो राज्यों का दौरा,केरल में दो रैलियां करेंगे;शाम को तमिलनाडु जाएंगे
9 राहुल गांधी का वायनाड में रैली,दो दिन का केरल दौरा, कोझिकोड जिले में यूडीएफ जनसभा को संबोधित किए
10 नोबल पुरस्कार अमर्त्य सेन बोलेःविपक्ष में बिखराव,इसलिए ताकत गंवाई,सरकार को अमीरों का ध्यान; निरक्षरता,खराब स्वास्थ्य,लैंगिक असमानता से विकास धीमा
11 लोकसभा चुनाव-2024ःकांग्रेस की 16वीं लिस्ट,10 नाम;उत्तर-पूर्व दिल्ली से कन्हैया कुमार को टिकट,मनोज तिवारी के खिलाफ लड़ेंगे
12 जयशंकर बोलेः ईरान-इस्राइल संघर्ष से बने हालात चिंताजनक;भारत ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर
13 शरद पवार की पार्टी में शामिल हुए धैर्यशील मोहिते पाटिल,माढा सीट से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव
14 सलमान खान यह तो ट्रेलर है,इसके बाद गोलियां,लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने ली फायरिंग की जिम्मेदारी
15 दंपती और उनकी दो बेटियों समेत 7 लोग जिंदा जले,चलते ट्रक में कार घुसी,दोनों में आग लगी;सालासर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे
16 रामनवमीःराम मंदिर ट्रस्ट ने जारी की गाइडलाइन,15 से 18 अप्रैल तक के सभी वीआईपी पास निरस्त, बदला दर्शन का समय
17 राजस्थान विश्व मोहन भट्ट और गुलाबों समेत 11 पद्म पुरस्कार विजेता भाजपा में शामिल
18 सीएसके/ एमआईःरोहित के शतक पर भारी पड़े पथिराना,चेन्नई ने मुंबई को 20 रनों से हराया
19 कोलकाता की लखनऊ पर आईपीएल में पहली जीत,8 विकेट से हराया;सॉल्ट का नाबाद अर्धशतक,स्टार्क ने तीन विकेट लिए
20 पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने साफ किया है कि अमेरिका ईरान पर जवाबी हमला करने में इस्राइल का साथ नहीं देगा,संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भी बढ़ते तनाव पर चिंता जताई है
21 इजराइल और ईरान से नागरिकों को बाहर निकालेगा भारत? ट्रैवल एडवाइजरी के बाद हेल्पलाइन नंबर भी किये जारी
22 ईरान-इजराइल शत्रुताःविदेश मंत्री जयशंकर ने इजराइल व ईरान के अपने समकक्षों से की बात
23 ईरान के खिलाफ इजरायली जवाबी हमले में अमेरिका नहीं लेगा भागःरिपोर्ट
24 सरबजीत के हत्यारे की पाक में हत्या,अज्ञात हमलावरों ने लगाया ठिकाने
25 अब आएगी मालदीव की अक्ल ठिकाने,वापस लौटा भारतीय सैनिकों का दूसरा बैच
26 ईरान ने अगर नहीं बंद किया इजरायल पर हमला तो हो सकता है तीसरे विश्वयुद्ध का आगाज
27 सलमान के घर के बाहर फायरिंग मामले में केस दर्ज,हमलावरों की तस्वीरें भी आईं
28 सलमान यह तो ट्रेलर है,लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने ली फायरिंग की जिम्मेदारी
29 कार के अंदर ही जलकर खाक हो गए 6 लोग,राजस्थान में दिल दहला देने वाला हादसा
30 एयर इंडिया का बड़ा ऐलानःनई दिल्ली से तेल अवीव तक सारी फ्लाइट्स कैंसिल, ईरान-इसरायल के बीच बढ़े तनाव की वजह से फैसला
31 पीएम मोदी ने कांग्रेस को बताया टुकड़े-टुकड़े गिरोह का सुल्तान,बोलेःकर्नाटक से देशभर में भेजा जा रहा करोड़ों का काला धन
32 असम में सिर्फ 150 में हवाई सफर,देश में सबसे सस्ती उड़ान;तेजपुर टू लखीमपुर रूट 2 माह से फुल
33 पीएम मोदी का दो राज्यों का दौरा,केरल में दो रैलियां करेंगे;शाम को तमिलनाडु जाएंगे;27 दिन बाद दक्षिण का दौरा
34 भारत में ऐसी शक्ति है कि वो दुनिया को रास्ता दिखा सकती हैःश्री श्री रविशंकर
35 भाजपा के घोषणा पत्र में एनआरसी का ज़िक्र नहीं,यूसीसी से लेकर एक देश एक चुनाव का वादा
36 फ्रांस की एथलीट अनौक गार्नियर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड,18 मिनट में रस्सी से एफिल टावर पर चढ़ी
37 आईपीएल 2024ःमहेंद्र सिंह धोनी के छक्के रोहित शर्मा के तूफानी शतक पर भारी,मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने दी 20 रनों से मात
38 आईपीएल 2024ःफिल सॉल्ट की आतिशी 89 रनों की पारी,कोलकाता ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया
39 इलेक्टोरल बॉन्ड दुनिया की सबसे बड़ी एक्स्ट्रॉर्शन स्कीम है और नरेंद्र मोदी इसके मास्टरमांइड हैंःराहुल गांधी
40 एफबीआई ने बाल्टीमोर पुल ढहने की आपराधिक जांच शुरू की,जहाज की टक्कर से ढह गया था ऐतिहासिक पुल

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **आरती कुमारी** द्वार अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना - 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना - 800006 से प्रकाशित। ***संपादक - अविनाश**। संपादकीय कार्यालय : 8वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना - 800001, RNI : BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।